www.tamsasanket.com
वर्ष: 30 || अंक 295 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
20 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:56
सूर्यास्त: 05:38
अधिकतम: 22°00
न्यूनतम: 11°00

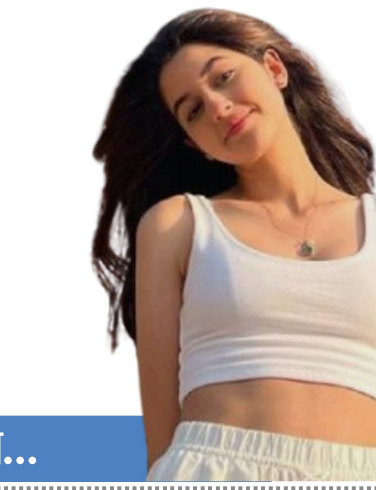

पेज 07

विशेष समाचार | महाराष्ट्र स्थानीय निकाय... >> पेज 04 | यूपी में पलटा मौसम... >> पेज 06 | राजेश खन्ना की नातिन की...

सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिया शुभकामना संदेश

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का उद्घाटन

समारोह

हेमन्त कृष्ण/ डॉ. ओ. पी. मिश्रा

तमसा संकेत, नई दिल्ली/ लखनऊ। 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य संबोधन दिया। सम्मेलन में 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं तथा 6 विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारी सहभागिता कर रहे हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष ने सम्मेलन में शामिल सभी पीठासीन अधिकारियों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़ा।

अपने उद्बोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी चाहे जिस भी राजनीतिक दल से आते हो, उनका आचरण दलगत राजनीति से हटकर पूर्णतः न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष होना चाहिए तथा न्यायपूर्ण व निष्पक्ष दिखना भी चाहिए। अपने संबोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि विधायिका के माध्यम से जनता की आकांक्षाएं और आवाज़ शासन तक पहुँचती है, तथा उनका समाधान होता है। >> (शेष पेज 06 पर)

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने किया संबोधित

श्री बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि सदन में सभी सदस्यों, विशेषकर नए और युवा सदस्यों को पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि विधानमंडल जनता की समस्याओं को उठाने का सबसे प्रभावी मंच बना रहे। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में आगामी दो दिन पूर्ण सत्रों में विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक का उपयोग, विधायकों का क्षमता-निर्माण तथा जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच सहयोग को बढ़ावा

श्री बिरला ने कहा कि आधुनिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के युग में जनप्रतिनिधियों के प्रत्येक आचरण पर जनता की दृष्टि रहती है, इसलिए संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन का पालन और भी अधिक आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि आज तकनीक के युग में जब चारों तरफ़ से सूचना का प्रवाह होता है, तब सदन की प्रामाणिकता बनाए रखना, हम सभी की महती ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन जैसे मंच लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच सहयोग को बढ़ाते हैं, आपसी समन्वय को मजबूत करते हैं और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाते हैं। इन सम्मेलनों से देशभर में नीतियों और कल्याणकारी उपायों में सामंजस्य स्थापित करने में भी सहायता मिलती है।

पीठासीन अधिकारी का आचरण दलगत राजनीति से हटकर पूर्णतः न्यायपूर्ण होना चाहिए, तथा न्यायपूर्ण दिखना भी चाहिए

राज्य विधानसभाओं की कार्यवाही के लिए एक निश्चित एवं पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है

सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी
- लोक सभा अध्यक्ष

चौथी बार राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी

यह चौथी बार है जब उत्तर प्रदेश इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इससे पूर्व राज्य में दिसंबर 1961, अक्तूबर 1985 तथा जनवरी–फरवरी 2015 में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा चुका है। 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन 21 जनवरी, 2026 को संपन्न होगा।

नोएडा में इंजीनियर की मौत पर सीएम योगी का ऐक्शन

सीईओ लोकेश एम को हटाया, एसआईटी करेगी जांच

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा । नोएडा के सेक्टर 150 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की दर्दनाक मौत के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएम ने नोएडा के सीईओ (CEO) लोकेश एम को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है। इसके साथ ही पूरी घटना की तह तक जाने के लिए एसआईटी जांच के आदेश दिए गए हैं।
>> (शेष पेज 06 पर)

नोएडा में सॉफ्टफेयर इंजीनियर की मौत मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने इस मामले में तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है और कहा है कि उन्हें पांच दिनों के अंदर एसाईटी की रिपोर्ट चाहिए।

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

घटना को लेकर सरकार ने साफ किया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या दोष पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि पीड़ित परिवार को न्याय मिले और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कुलदीप सेंगर को दिल्ली एचसी से झटका

नई दिल्ली । उन्नाव बलात्कार मामले के दोषी पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने सोमवार को पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस रविंदर दुदेजा ने कहा कि सेंगर ने 10 साल की कुल सजा में से लगभग 7.5 साल हिरासत में बिताए हैं और इस मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील पर फैसला करने में देरी हुई है, लेकिन यह देरी आंशिक रूप से सेंगर द्वारा दायर की गई कई याचिकाओं के कारण हुई है। इसलिए, कोर्ट जमानत और सजा के निलंबन की याचिका खारिज कर दी।

लखनऊ में डायवर्जन फेल, 5 एम्बुलेंस फंसीं

कैसरबाग से सिटी स्टेशन तक भीषण जाम

कठिनाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । विधान भवन में 18 से 23 जनवरी तक 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों और 62वां सचिवों का सम्मेलन आयोजित हो रहा है। सम्मेलन के मद्देनजर हजरतगंज इलाके में ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है। इसकी वजह से शहर में जाम लग गया है। हजरतगंज में डायवर्जन लागू होते ही ट्रैफिक का दबाव वैकल्पिक मार्गों पर बढ़ गया। कैसरबाग, गोलागंज और सिटी स्टेशन रोड पर भीषण जाम लग गया। खासतौर पर गोलागंज से कैसरबाग को जाने वाले रास्ते पर अधिक जाम लगा।
>> (शेष पेज 06 पर)

- **एम्बुलेंस जाम में फंसी, मरीज परेशान**
- **21 जनवरी तक रहेगा डायवर्जन कैसरबाग से सिटी स्टेशन तक भीषण जाम, हजरतगंत-सिविल अस्पताल रोड पर वाहनों की कतार**

फास्ट न्यूज

आरएसएस-बीजेपी कुछ बिजनेसमैन के हाथों देश बेचना चाह रही : राहुल

तिरुवनंतपुरम । राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि RSS और BJP चाहती है कि जनता सवाल न करें और चुप रहें, ताकि यह कुछ बिजनेसमैन के हाथों देश को बेच सकें।

विरोध प्रदर्शन

मणिकर्णिका घाट पर हंगामा, दरोगा की वर्दी फाड़ी

वाराणसी। अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति टूटने की सूचना पर सोमवार को पाल समाज के लोग मणिकर्णिका घाट पहुंचे। यहां विरोध प्रदर्शन और जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की, तो धक्का-मुक्की होने लगी। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की वर्दी फाड़ दी। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठी भांजकर उन्हें खदेड़ा। पुलिस ने 18 लोगों को हिरासत में लेकर थाने में बैठाया है। प्रशासन ने 18 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। पाल समाज के लोगों का कहना है कि घाट पर जाकर देखेंगे कि कितनी तोड़फोड़ की गई है। ये देश और प्रदेश का अपमान है।

जम्मूझकश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में घायल जवान शहीद

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश के दौरान रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान 8 जवान घायल हो गए थे। इनमें से एक जवान की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। शहीद जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

नितिन नबीन निर्विरोध भाजपा के होंगे 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष

शाह-नड्डा नामांकन में शामिल हुए, पत्नी बोलीं- पार्टी को हीरे की परख

सम्मानित

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अब पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष होगें। सोमवार को दिल्ली में पार्टी हेडक्वार्टर में नॉमिनेशन प्रक्रिया की गई। राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा- इस पद के लिए केवल नितिन नबीन का ही नाम प्रस्तावित हुआ है।

उन्होंने कहा कि नितिन नबीन के समर्थन में कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें सभी वैध पाए गए। अब नितिन के नाम का औपचारिक ऐलान 20 जनवरी को किया जाएगा। आज हुई नॉमिनेशन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी समेत सभी राज्यों के सीएम और सीनियर नेताओं ने नितिन के समर्थन में नामांकन पत्र जमा किया था।
>> (शेष पेज 06 पर)

नॉमिनेशन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी और दूसरे सीनियर नेता मौजूद रहे।

हर सेट पर 20 नेताओं के साइन

राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 36 में से 30 राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव पूरे होने के बाद शुरू की गई। जो की 50% जरूरी आंकड़े से ज्यादा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए दाखिल कुल 37 सेट नामांकन पत्रों में से 36 सेट अलग-अलग राज्यों से आए, जिनमें हर सेट पर 20 नेताओं के साइन थे। >> (शेष 06 पर)

भारत आए यूएई के राष्ट्रपति, प्रोटोकॉल तोड़ एयरपोर्ट पर स्वागत करने पहुंचे पीएम मोदी

भारत आए यूएई के राष्ट्रपति

दौरा

- **गल्फ देशों में यूएई को सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट करता है भारत**
- **पीएम मोदी बोले भाई को लेने आया हूं, गुजरात का नक्काशीदार झूला और पशमीना शॉल गिफ्ट की**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का भारत दौरा खत्म हो गया है, वो आज शाम करीब 4:30 बजे भारत पहुंचे थे। पीएम मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर रिसीव किया था। मोदी ने X पर एक पोस्ट में लिखा था कि, मैं अपने भाई को लेने खुद एयरपोर्ट आया हूं। इसके बाद पीएम मोदी ने राष्ट्रपति शेख जायद और उनके परिवार का दिल्ली में अपने आवास लोक कल्याण मार्ग पर स्वागत किया। मोदी ने उन्हें गुजरात का एक शाही नक्काशीदार लकड़ी का झूला और कश्मीर की पश्मीना शॉल तेलंगाना में बने चांदी के डिब्बे में रखकर गिफ्ट की।
>> (शेष पेज 06 पर)

भारत बोला- ये दौरा छोटा लेकिन, बहुत महत्वपूर्ण

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि यह दौरा छोटा था, लेकिन बहुत ही महत्वपूर्ण रहा। इस दौरान दोनों नेताओं की मौजूदगी में कई दस्तावेजों का आदान-प्रदान भी किया गया। हालांकि इन दस्तावेजों की डिटेल आना बाकी है।

विदेश सचिव ने कहा कि इस दौरे की अहमियत UAE राष्ट्रपति के साथ आए प्रतिनिधिमंडल से समझी जा सकती है। इस प्रतिनिधिमंडल में अबू धाबी और दुबई के शाही परिवारों के सदस्य और कई सीनियर मंत्री व अधिकारी शामिल थे।

आयोजन : श्रवण धाम महोत्सव - 2026 के पहले दिन उमड़ा श्रद्धा और संस्कृति का संगम

घाटों पर सजी दीपों की कतार

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जनपद में आयोजित श्रवण धाम महोत्सव–2026 का प्रथम दिवस रविवार को भव्य और सुव्यवस्थित कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। महात्मा श्रवण कुमार की निर्वाण स्थली त्रिवेणी घाट दीपोत्सव के दौरान लाखों दीपों की रोशनी से आलोकित हो उठी। घाटों पर सजी दीपों की कतारों ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण रच दिया, जिसे देखने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। इसके बाद खेल एवं युवा कल्याण मंत्री और जनपद प्रभारी मंत्री द्वारा फीता काटकर श्रवण धाम महोत्सव–2026 का औपचारिक शुभारंभ किया गया। मंच पर अतिथियों का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। आयोजन स्थल पर दर्शकों की बड़ी संख्या मौजूद रही। कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित भजन गायक अनूप जलोटा की प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। मंच पर उनका स्वागत किया गया, जिसके बाद उनके भजनों ने पूरे परिसर को भक्तिरस में डुबो दिया।
>> (शेष पेज 06 पर)

डमरू तमसा आरती में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दीपोत्सव के बाद त्रिवेणी घाट पर डमरू तमसा आरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। शंखनाद, डमरू और आरती की ध्वनि के बीच घाट का दृश्य पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में डूबा नजर आया। आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

दीपोत्सव से शुरू हुआ महोत्सव

महोत्सव के पहले दिन त्रिवेणी घाट पर दीपोत्सव का आयोजन किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ पूरे क्षेत्र में भक्ति और शांति का वातावरण बना। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

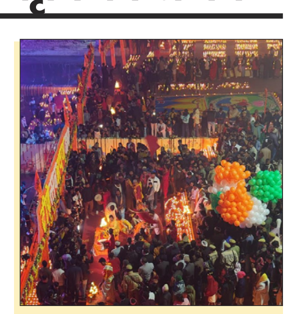

महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। मयूर नृत्य, फूलों की होली और लट्ठमार होली की प्रस्तुतियों ने परिसर को रंगों और उल्लास से भर दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों से उत्साह बढ़ाया।

‘जांच पारदर्शी रहे’

सुप्रीम कोर्ट बोला आम लोगों को परेशानी न हो

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के 1.25 करोड़ वोटर्स को अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए एक और मौका दिया। कहा कि वे 10 दिन में अपने डॉक्यूमेंट्स चुनाव आयोग को पेश करें।

चुनाव आयोग ने राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान नाम, सरनेम, आयु में गड़बड़ी की वजह 1.25 करोड़ वोटर्स को लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने कहा कहा चुनाव आयोग गड़बड़ी वाली वोटर लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक लगाए, ताकि लोगों को पता चल सके। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच ने कहा- सिर्फ तर्क के आधार पर आम लोगों को परेशान नहीं किया जा सकता है। वोटर लिस्ट में सुधार की प्रक्रिया जरूरी है, लेकिन यह पारदर्शी और समय पर हो। चुनाव आयोग लोगों की परेशानी को समझे। चुनाव आयोग ने SC में कहा था- SIR के तहत आयोग सिर्फ यह तय करता है कि कोई व्यक्ति वोटर लिस्ट में रहने के योग्य है या नहीं।
>> (शेष पेज 06 पर)

- **बंगाल एसआईआर, गड़बड़ी वाले 1.25 करोड़ नाम सार्वजनिक करने का निर्देश**

सड़क सुरक्षा में होने वाली मृत्यु के आंकड़ों में कमी लाने के लिए जन जागरूकता सबसे अहम

दो दिवसीय कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलन कर किया शुभारंभ

अपर मुख्य सचिव परिवहन श्रीमती अर्चना अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए सबसे अधिक सड़क ट्रांसपोर्टेशन का इस्तेमाल किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा सड़कों पर सुरक्षा के सभी इंतजाम किये जा रहे हैं। सभी स्टेक होल्डर और विभागों के मिले जुले प्रयास से ही सड़क सुरक्षा को और बेहतर किया जा सकता है।

आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने आज लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं दक्षता को विकसित करने हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला सड़क सुरक्षा अभियान में मददगार साबित होगी। प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से विभागीय अधिकारी और

अधिक दक्ष होकर क्षेत्र में जाएंगे और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन और बेहतर ढंग से कराना सुनिश्चित कर सकेंगे।

परिवहन मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा में होने वाली मृत्यु के आंकड़ों में कमी लाने के लिए जन जागरूकता सबसे अहम है। सरकार का दायित्व नियम बनाना एवं उसका पालन कराना है, जबकि लोग यदि अपनी दिनचर्या में सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करें तो सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु के आंकड़ों को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मीडिया इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा

- **सरकार ने डीलर पॉइंट पर दो पहिया वाहनों की बिक्री के साथ ही दो हेलमेट का रूल किया अनिवार्य**
- **परिवहन विभाग के अधिकारी नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करे**

-श्री दयाशंकर सिंह

सकता है। सरकार द्वारा भी डीलर पॉइंट पर दो पहिया वाहनों की बिक्री के साथ ही दो हेलमेट का रूल अनिवार्य किये जाने का नियम बनाया गया है। इसी प्रकार ''नो हेलमेट, नो फ्यूल'' का भी नियम भी सरकार बना चुकी है, लेकिन जन जागरूकता के अभाव में इसमें यथोचित लाभ हमें अभी नहीं प्राप्त हो पा रहा है। उन्होंने लोगों से दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट स्वयं पहनने एवं पीछे बैठे व्यक्ति को भी पहनने के लिए प्रेरित करने की अपील की। साथ ही उन्होंने चार पहिया वाहनों के चालकों से अपील करते हुए कहा कि सीट बेल्ट का इस्तेमाल अवश्य करें। उन्होंने ओवर स्पीडिंग ड्रंक एंड ड्राइविंग न करने एवं सड़क सुरक्षा संबंधित नियमों का पालन करने को कहा।

वाहनों को सुरक्षित खड़ा कराया जाए

परिवहन मंत्री ने कहा कि एक्सप्रेस-वे पर यूपीडा होल्डिंग एरिया एवं डारमेट्री बनाने पर विचार करें, जिससे कि वाहनों को सुरक्षित खड़ा कराया जा सके और लम्बी दूरी के चालकों को ठहरने का भी अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के पश्चात घायलों को हास्पिटल ले जाने में समय लगता है और एक्सप्रेस-वे पर ट्रामा सेंटर की कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए 100 किमी0 की दूरी पर 01-01 ट्रामा सेंटर बनाने पर विचार किया जाए। श्री सिंह ने टी प्वाइंट पर मिल रहे छोटी सड़कों पर ब्रेकर बनाने का सुझाव दिया और जगह-जगह पर साइनेज लगाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी संख्या में दुर्घटना होने से रोका जा सकता है।

महत्वपूर्ण पहलुओं से परिवहन विभाग के अधिकारियों को जोड़ने का लक्ष्य

परिवहन आयुक्त श्रीमती किंजल सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से परिवहन विभाग के अधिकारियों को जोड़ने का लक्ष्य है, ताकि फील्ड में जाकर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक कर सके। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन टीम लगातार फील्ड में काम कर रही है। परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड एवं ओवर स्पीड वाले वाहनों का चालान किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा से संबंधित गीत को जिला प्रशासन के माध्यम से चलवाया जा रहा है एवं स्कूलों में भी सड़क सुरक्षा के कार्यक्रम आयोजित कराये जा रहे हैं।

फास्ट न्यूज

स्कॉर्पियो ड्राइवर गिरफ्तार

सरोजनी नगर । लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में शनिवार शाम स्कूटी सवार युवक और युवती की मौत के मामले में पुलिस ने फरार स्कॉर्पियो चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को सोमवार को वाहन समेत जेल भेज दिया गया। लतीफ नगर निवासी 22 वर्षीय अर्पित त्रिवेदी और सहिजनपुर गांव की 21 वर्षीय काजल रावत शनिवार शाम स्कूटी से बनी-मोहान रोड होते हुए कटी बगिया की ओर जा रहे थे।

एयरपोर्ट पर पैसेंजर की तबीयत बिगड़ी

सरोजनी नगर । लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर सोमवार को एक यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई। रियाद से आए मोहम्मद समीर खान को तत्काल लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, रियाद से सुबह 9 बजे लखनऊ पहुंचने वाली फ्लाइनेस की उड़ान एक्सवाई 333 सोमवार दोपहर करीब 11:40 बजे एयरपोर्ट पहुंची। विमान से बाहर निकलने के दौरान दोपहर लगभग 12:10 बजे टर्मिनल बिल्डिंग के अंदर यात्री मोहम्मद समीर खान की तबीयत खराब हो गई। उनकी नाक से अचानक तेज खून बहने लगा।

केजीएमयू तहरी भोज में पहुंचे भाजपा एमएलए-एमएलसी

लखनऊ । KGMU में सोमवार को तहरी भोज का आयोजन हुआ। प्रशासनिक भवन के नजदीक सरस्वती मंदिर में पूजन और हवन हुआ। इसके बाद प्रसाद वितरण के साथ तहरी भोज की शुरुआत हुई। तहरी भोज में मेयर सुषमा खर्कवाल को आना था, लेकिन शहर से बाहर होने के कारण वह इसमें शामिल नहीं हो पाईं। कई बड़े भाजपा नेता शामिल हुए।

यूपी के 68 हजार स्कूलों में फ्री एडमिशन का मौका

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । TE के तहत गरीब बच्चों के प्रवेश लिए आवेदन की प्रक्रिया 2 फरवरी से शुरू होगी। इस सत्र में प्रदेश के कुल 68 हजार स्कूलों को RTE पोर्टल में मैप किया गया है। इससे पहले नए सत्र के लिए 1 दिसंबर से ही आवेदन शुरू हो गए थे। इसके लिए सोमवार को पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है। राज्य परियोजना कार्यालय की ओर से सभी जिलाधिकारी और बेसिक शिक्षक अधिकारियों को आदेश जारी किया गया है।

RTE के तहत करीब 1.85 लाख बच्चों ने आवेदन किया था, जिनमें से 1.41 लाख बच्चों को विभिन्न स्कूलों में प्रवेश मिला था। इस बार प्रदेश के लगभग 68 हजार स्कूलों को RTE पोर्टल पर मैप किया गया है। इन विद्यालयों में कुल स्वीकृत सीटों के 25% सीटों पर कमजोर आय वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। आवेदन प्रक्रिया में अभिभावकों को अपने आसपास स्थित अधिकतम 10 विद्यालयों का विकल्प चुनने की सुविधा मिलेगी।

- **2 फरवरी से आरटीई के तहत दाखिले के लिए आवेदन शुरू होगा, शेड्यूल जारी**

स्कूलों का चयन जिस क्रम में किया जाएगा, उसी प्राथमिकता के आधार पर लाटरी के जरिए सीट आवंटन होगा। आवेदन केवल उसी क्षेत्र के विद्यालयों में मान्य होगा, जहां विद्यालय स्थित है।

योगी सरकार के कौशल अभियान को नई गति, लखनऊ में 19 से 20 जनवरी तक मुख्य प्रतियोगिताएं

राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के दूसरे चरण की हुई शुरुआत

प्रथम चरण की सफलता के बाद युवाओं में उत्साह

पहले चरण में 18 मंडलों के 451 युवाओं ने दिखाया उत्कृष्ट कौशल, अब दूसरे दौर में 391 प्रतिभागी मैदान में

24 जनवरी को विजेताओं को पुरस्कार, चयनित प्रतिभाएं इंडिया स्किल्स के अगले स्तर में करेंगी प्रदेश का प्रतिनिधित्व

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं को आधुनिक, रोजगारोन्मुख एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता–2026 के अंतर्गत राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता का दूसरा चरण 19 जनवरी से लखनऊ में प्रारंभ हो गया है, जो 20 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस चरण में प्रदेश के सभी 18 मंडलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 391 युवा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

इससे पूर्व प्रतियोगिता का प्रथम चरण 13 जनवरी 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था, जिसमें प्रदेश के 18 मंडलों से आए 451 युवाओं ने सहभागिता की थी। प्रथम चरण में लखनऊ स्थित 09 प्रमुख संस्थानों की 16 आधुनिक कार्यशालाओं में Electronics, Fashion Technology, CNC Turning, Welding, CNC Milling एवं Additive Manufacturing सहित 06 प्रमुख स्किल्स में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। प्रतिभागियों ने वर्ल्ड स्किल्स मानकों के अनुरूप अपनी तकनीकी दक्षता, नवाचार और व्यावहारिक समझ का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे प्रतियोगिता के प्रति युवाओं का उत्साह और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के दूसरे चरण के पहले दिन प्रतिभागियों ने लखनऊ स्थित गवर्नमेंट आईटीआई अलीगंज, आईटीओटी अलीगंज, गवर्नमेंट महिला आईटीआई (वर्ल्ड बैंक) अलीगंज तथा गवर्नमेंट आईटीआई चारबाग में आयोजित आठ कार्यशालाओं में ओरिएंटेशन सत्रों में भाग लिया। इस चरण में ऑटो बॉडी रिपेयर, ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, वेब टेक्नोलॉजीज, आईसीटी नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन डेवलपमेंट जैसे उन्नत और भविष्यपरक कौशलों को शामिल किया गया है। ओरिएंटेशन सत्रों के दौरान विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रतियोगिता के प्रारूप, मूल्यांकन मानदंडों एवं नवीनतम तकनीकी अपडेट की विस्तृत जानकारी दी गई।

सरसों के खेत में मिले कंकाल से सुलझी हत्या की गुत्थी

गुमशुदा महिला पूनम की हत्या का खुलासा, पड़ोसी आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र में लापता महिला पूनम की हत्या के मामले का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्राम कुबहरा स्थित सरसों के खेत में मिले मानव कंकाल ने इस सनसनीखेज हत्याकांड से पर्दा उठाया। पुलिस की जांच में सामने आया कि मृतका का पड़ोसी ही इस जघन्य वारदात का जिम्मेदार निकला।

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अनुसार 7 जनवरी 2026 को थाना नगराम क्षेत्र के ग्राम कुबहरा में सरसों के खेत से मानव कंकाल मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कंकाल अत्यधिक क्षत-विक्षत अवस्था में था, जिससे

पहचान करना मुश्किल हो रहा था। घटनास्थल के पास पड़ी साड़ी को देखकर ग्रामीण पीताम्बर ने आशंका जताई कि यह उसकी पत्नी पूनम की हो सकती है, जो 12 दिसंबर 2025 से रहस्यमय हालात में लापता थी। इस संबंध में पहले ही नगराम थाने में गुमशुदगी दर्ज थी। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों, सर्विलांस और स्थानीय जानकारी के आधार पर पुलिस की जांच की दिशा बदलती गई। मुखबिर की सूचना पर 19 जनवरी 2026 को पुलिस ने मृतका के पड़ोसी आशीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

शादी का झांसा और धोखा बना वारदात की वजह

फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में साक्ष्य संकलन कर कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वहीं मृतका के पिता की तहरीर पर पति पीताम्बर और उसके परिजनों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सभी पहलुओं पर गहराई से जांच शुरू की।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मृतका से लगातार बातचीत करता था और उसने पूनम से अपनी शादी उसकी बड़ी बहन की बेटी से कराने का आश्वासन पाया था। जब परिजनों ने लड़की की शादी कहीं और तय कर दी तो आरोपी खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगा। इसी नाराजगी और बदले की भावना में उसने पूनम की हत्या कर शव को सरसों के खेत में फेंक दिया, ताकि पहचान न हो सके। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला ही परिवार को रख सकती है एकजुट : ममता श्रीवास्तव

टूटते परिवारों को बचाने में महिलाओं की अहम भूमिका

- **चित्रगुप्त सभा इंदिरा नगर में महिला सम्मेलन व तहरी भोज का हुआ आयोजन**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। चित्रगुप्त सभा इंदिरा नगर में महिला सम्मेलन व खिचड़ी भोज का आयोजन के साथ ही महिला सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिटी ग्रुप आफ कॉलेज की डायरेक्टर डॉ ममता श्रीवास्तव ने कुटुंब प्रबोधन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा का किस प्रकार एक महिला बहू,बेटी ,मां का रोल निभाती है किस प्रकार उसका जुड़ाव परिवार के प्रति होता है और वह एक परिवार को एकजुट रखती है। महिला सम्मेलन में सांस्कृतिक

कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी बहुत सुंदर तरीके से की गई। कार्यक्रम में गणेश वंदना रिद्धि गौड़ एवं सिद्धि गौड द्वारा जबकि श्रीमती कविता श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए माता व पुत्री की बहुत ही मनमोहक प्रस्तुति हुई जिसमें लवी अस्थाना व उनकी पुत्री सिद्धि अस्थाना आकृति व उनकी पुत्री आरोही चित्रगुप्त सभा की सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति व उनकी पुत्री श्रीजा नारायण सपना खरे व उनकी पुत्री खुशबू श्रीवास्तव व वंशिका के द्वारा नत्य की प्रस्तुति की गई। कार्यकारिणी सदस्य अनीता व सीमा सक्सेना द्वारा गीत प्रस्तुति व कुटुंब प्रबोधन पर विचार प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति द्वारा मुख्य अतिथि डॉ ममता श्रीवास्तव ,विशिष्ट अतिथि रितु खरे तथा मुख्य वक्ता रेशमा निगम तथा कीर्ति श्रीवास्तव का स्वागत किया गया। इससे पहले कार्यक्रम का प्रारंभ चित्रगुप्त सभा के महामंत्री शशिकांत श्रीवास्तव द्वारा किया गया। सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति को दाऊजी द्वारा चित्रगुप्त जी का ध्वज देकर सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

ट्यूबवेल में दौड़ रहे करंट से युवक की मौत आरोपी गिरफ्तार

सबूत मिटाने के लिए जंगल में फेंका गया शव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। थाना बंथरा क्षेत्र में गैर इरादतन हत्या के एक सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि घटना में शामिल उसके नाबालिग बेटे को संरक्षण में लिया गया है। ट्यूबवेल के पास बिछाए गए बिजली के तार में करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई थी, जिसके बाद शव को साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से घने जंगल में फेंक दिया गया।

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अनुसार ग्राम सहिजनपुर निवासी राजेन्द्र रावत 15 जनवरी 2026 की सुबह करीब नौ बजे खेत में पानी लगाने के लिए घर से निकला था। करीब एक घंटे बाद उसकी मां खाना

लेकर खेत पहुंची, लेकिन राजेन्द्र वहां नहीं मिला। पूछताछ करने पर ट्यूबवेल मालिक अशर्फी लाल ने बताया कि राजेन्द्र उसके यहां नहीं आया था। अगले दिन 16 जनवरी को ग्राम सहिजनपुर के पास अमावां के जंगल में राजेन्द्र का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुरुआती जांच में मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में विद्युत करंट से मृत्यु की पुष्टि हुई।

इसके बाद मृतक के परिजन सुमित कुमार की तहरीर पर थाना बंथरा में अशर्फी लाल सहित अन्य के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों की गहन जांच की, जिसमें यह सामने आया कि अशर्फी लाल ने अपने ट्यूबवेल के चारों ओर बिजली का तार बिछा रखा था, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि करंट की चपेट में आने से राजेन्द्र की मौत हो गई थी और घटना के बाद आरोपी ने अपने नाबालिग पुत्र की मदद से शव को जंगल में फेंक दिया।

ऐलान : अपर्णा के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा- स्वार्थी महिला ने मेरा परिवार बर्बाद कर दिया

अखिलेश के सौतेले भाई प्रतीक यादव पत्नी से लेंगे तलाक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक अपनी पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव से तलाक लेंगे। प्रतीक ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपर्णा से रिश्ते खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने लिखा- मैं इस स्वार्थी औरत से जल्द से जल्द तलाक लेने जा रहा हूं। इसने मेरे पारिवारिक रिश्ते बर्बाद कर दिए। इसका एकमात्र लक्ष्य है मशहूर और प्रभावशाली बनना। इस समय मेरी मानसिक स्थिति बहुत खराब है। इसे कोई परवाह नहीं। इसे सिर्फ अपनी ही चिंता है। मैंने कभी ऐसी बुरी आत्मा नहीं देखी। मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने इससे शादी की।

अपर्णा इस वक्त भाजपा में हैं,

और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। प्रतीक (38) ने अपर्णा (36) से 14 साल पहले लव मैरिज की थी। प्रतीक मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। यानी अखिलेश यादव के सौतेले भाई। अपर्णा ने 2022 विधानसभा चुनाव से पहले अचानक सपा छोड़कर भाजपा जॉइन की थी।

अचानक तलाक की नौबत कैसे आई?

पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रतीक ने खुलेआम तलाक का ऐलान जरूर किया लेकिन, दोनों के रिश्तों में खटास 3 साल पहले यानी 2022 से आ गई थी, जब प्रतीक की मर्जी के खिलाफ अपर्णा ने अचानक भाजपा जॉइन कर ली थी। प्रतीक ने 5 फरवरी 2025 को भी अपर्णा के खिलाफ सोशल मीडिया पर 3 पोस्ट किए थे, लेकिन बाद में उसे डिलीट कर दिया। उन्होंने लिखा था-अपर्णा ने उनकी जिंदगी नरक बना दी। सबूत के साथ सभी को इस बारे में बताएंगे। अपर्णा ने मेरी जिंदगी नरक बना दी। अपर्णा की सच्चाई और अतीत मेरे अलावा कोई नहीं जानता। इसका साथ मत दीजिए। ये जो भी करती है पैसे और पावर के लिए करती है। प्रतीक की इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद अपर्णा और प्रतीक किसी का फोन नहीं उठा रहे हैं। अपर्णा के भाई को कॉल किया तो उन्होंने कहा- हो सकता है अकाउंट हैक हुआ हो। वह पूरे मामले में जल्द बयान जारी करेंगे। वहीं, अखिलेश और सपा का इस पूरे मामले में कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

2011 में शादी हुई थी, 2 बेटियां हैं

अपर्णा का परिवार मूल रूप से उत्तराखंड का रहने वाला है। नाम अपर्णा बिष्ट था। शादी के बाद अपर्णा बिष्ट यादव रख लिया। अपर्णा के पिता जर्नलिस्ट थे, बाद में राज्य सूचना आयुक्त बने। जबकि मां अम्बी बिष्ट लखनऊ विकास प्राधिकरण में संपत्ति अधिकारी रहीं हैं। अब माता-पिता दोनों रिटायर हो चुके हैं। वहीं, प्रतीक मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के इकलौते बेटे हैं। साधना गुप्ता नर्स थीं। मुलायम सिंह ने सार्वजनिक तौर पर प्रतीक को अपना बेटा माना था। हालांकि, राजनीतिक उत्तराधिकारी अखिलेश यादव को बनाया। अखिलेश, मुलायम की पहली पत्नी मालती देवी के इकलौते बेटे हैं।

श्रवण धाम महोत्सव -2026 में सूचना विभाग की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र

राज्य, जनपद की उपलब्धियों से रूबरू हो रहा जनमानस

प्रदर्शनी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जनपद अंबेडकरनगर में 18 से 20 जनवरी 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय श्रवण धाम महोत्सव–2026 के दौरान सूचना विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी आमजन के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदर्शनी के माध्यम से राज्य सरकार और जनपद स्तर पर संचालित विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और

आगंतुक प्रदर्शनी स्थल पर पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। प्रदर्शनी के दौरान सूचना विभाग द्वारा सरकार की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए जा रहे हैं। इन पंपलेटों के माध्यम से योजनाओं की संक्षिप्त और स्पष्ट जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। इससे खासकर ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों से आए लोगों में सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

पंपलेट वितरण के कारण लोग योजनाओं की जानकारी अपने गांव और परिवार तक भी पहुंचा रहे हैं, जिससे व्यापक स्तर पर जनजागरूकता का प्रभाव दिखाई दे रहा है। प्रदर्शनी में जनपद अंबेडकरनगर में हाल के वर्षों में हुए विकास कार्यों को विशेष रूप से दर्शाया गया है। सड़कों के निर्माण, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, विद्यालयों के कायाकल्प, पेयजल योजनाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना के विकास को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है।

प्रदर्शनी में तैनात कर्मियों द्वारा लोगों के सवालों का समाधान भी किया जा रहा है, जिससे योजनाओं को लेकर भ्रम की स्थिति दूर हो रही है। प्रदर्शनी के प्रति आमजन की उत्साहपूर्ण सहभागिता यह स्पष्ट संकेत देती है कि राज्य और जनपद स्तर पर किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंच रही है। श्रवण धाम महोत्सव जैसे बड़े आयोजन में इस प्रकार की प्रदर्शनी ने सूचना और जनसंपर्क के उद्देश्य को मजबूती प्रदान की है।

सरल और प्रभावी प्रस्तुति बनी खास पहचान

सूचना विभाग की प्रदर्शनी की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरल और प्रभावी प्रस्तुति है। तकनीकी शब्दों से बचते हुए योजनाओं को आम भाषा में प्रस्तुत किया गया है, ताकि हर वर्ग का व्यक्ति इसे आसानी से समझ सके। दृश्य माध्यमों के उपयोग से जानकारी अधिक प्रभावशाली बन पाई है।

श्रद्धालुओं और आगंतुकों की भारी भीड़

श्रवण धाम महोत्सव में पहुंचने वाले श्रद्धालु पूजा-अर्चना के साथ-साथ सूचना विभाग की प्रदर्शनी का भी अवलोकन कर रहे हैं। प्रदर्शनी स्थल पर दिनभर लोगों की आवाजाही बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों के साथ-साथ युवा और महिलाएं भी योजनाओं से जुड़ी जानकारी में विशेष रुचि दिखा रहे हैं। आगंतुकों का कहना है कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी मिलने से उन्हें सरकारी सुविधाओं को समझने और उनका लाभ लेने में मदद मिल रही है।

सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी एक ही मंच पर

सूचना विभाग की इस प्रदर्शनी में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सड़क, आवास, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को चित्रों, फ्लेक्स, चार्ट और सूचना पटल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इससे आम नागरिकों को योजनाओं की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया को समझने में आसानी हो रही है।

पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई दिलाया गया न्याय का भरोसा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर द्वारा सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों और फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें सीधे पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनना और उनका समयबद्ध एवं न्यायोचित समाधान सुनिश्चित करना रहा।

जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनी। भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, थानों से जुड़ी शिकायतें और लंबित प्रकरणों से संबंधित मामलों को फरियादियों ने प्रमुखता से उठाया। पुलिस अधीक्षक ने सभी मामलों को विस्तार से समझते हुए संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही जानकारी ली।

फरियादियों की समस्याएं सुनकर त्वरित निस्तारण के निर्देश

पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों का निष्पक्ष और न्यायसंगत निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को हल्के में न लिया जाए और प्रत्येक मामले में विधिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता थी, उन पर संबंधित थाना प्रभारियों और शाखा अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए गए। जनसुनवाई के दौरान कुछ ऐसे प्रकरण भी सामने आए, जिनमें फरियादियों ने लंबे समय से कार्रवाई न होने की शिकायत की।

श्रवण धाम महोत्सव 2026 को लेकर प्रशासन अलर्ट

रविवार रात कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में आयोजित हो रहे श्रवण धाम महोत्सव–2026 को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में रविवार रात जिलाधिकारी अनुपम शुक्ल और पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की गई और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मौके पर तैनात पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों से सीधे संवाद किया। ड्यूटी में किसी

भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की चूक स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि भीड़ प्रबंधन, प्रवेश और निकास व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यक्रम स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अमले को लगातार सक्रिय रहने को कहा गया। संवेदनशील बिंदुओं पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए।

श्रवण धाम महोत्सव के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। निरीक्षण के समय अधिकारियों ने यातायात ड्यूटी में लगे कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मार्गों पर जाम की स्थिति न बनने पाए। वैकल्पिक मार्गों की जानकारी मौके पर मौजूद स्टाफ को दोहराई गई और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बल तैनात रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महोत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

गणेश वंदना से हनुमान चालीसा तक, मंच पर दिखा अनुशासन और कलात्मक समन्वय

दिल से डांस एकेडमी की सशक्त सांस्कृतिक प्रस्तुति

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। श्रवण धाम महोत्सव के प्रथम दिवस पर दिल से डांस एकेडमी, अकबरपुर के कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में शास्त्रीय नृत्य, भक्ति भाव और अनुशासित मंचीय संयोजन का संतुलित प्रदर्शन देखने को मिला। रामायण उद्गम स्थल की पावन भूमि पर प्रस्तुत यह सांस्कृतिक आयोजन महोत्सव के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गई। इस प्रस्तुति में कलाकारों ने शास्त्रीय मुद्राओं और समूह तालमेल के माध्यम से मंच पर सुसंगत दृश्य प्रस्तुत किया।

लयबद्ध नृत्य और संयमित भाव-प्रदर्शन ने दर्शकों को प्रारंभ से ही कार्यक्रम से जोड़े रखा। पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रस्तुति को ध्यानपूर्वक देखा।

कार्यक्रम के संचालन और मंचीय व्यवस्थाओं में शिवम गोंड, ऋतिक (DSD), चांदनी यादव और ज्योति यादव की भूमिका रही। समयबद्ध संचालन और प्रस्तुति क्रम ने आयोजन को व्यवस्थित बनाए रखा।

प्रस्तुतियों से प्रभावित होकर प्रशासन और कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा कलाकारों को मंच से सम्मानित किया गया। साथ ही 20 जनवरी को प्रमाण पत्र वितरण की घोषणा की गई, जिससे कलाकारों में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में जब्बार फनकार की टीम द्वारा 'तंबाकू छोड़ें' विषय पर आधारित नाट्य प्रस्तुति भी दी गई। इस प्रस्तुति के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया, जिसे दर्शकों ने गंभीरता से देखा।

इस आयोजन में सत्यम सनी गोंड, ऋतिक (DSD), प्रिंशु, ओम पाल, युवराज राजभर, दिव्यांश तिवारी, प्रिंस, श्लोक श्रीवास्तव, आराध्या वर्मा, अगम्या राजवंश, पारुल, श्रद्धा यादव, श्रेया पाल, खुशी दुबे, प्रहर्षा चौहान, सेजल यादव, अयोनिजा सताक्षी सिंह, वर्तिका और अरहान अहमद ने सहभागिता की।

हनुमान चालीसा पर समूह नृत्य

हनुमान चालीसा पर आधारित समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति में कलाकारों की ऊर्जा, तालमेल और भाव-प्रदर्शन स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। प्रत्येक चौपाई के अनुरूप तैयार की गई नृत्य संरचना ने मंचीय अनुशासन को दर्शाया। प्रस्तुति के दौरान पंडाल में मौजूद दर्शकों ने तालियों के माध्यम से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान दिल से डांस एकेडमी के निर्देशक और कोरियोग्राफर सत्यम सनी गोंड ने कथक की एकल प्रस्तुति 'अनुनाद' प्रस्तुत की। इस प्रस्तुति में कथक की पारंपरिक तकनीक, ताल और भाव का संतुलित संयोजन देखने को मिला। नृत्य की संरचना और मंचीय नियंत्रण ने दर्शकों का ध्यान केंद्रित रखा।

जिलाधिकारी ने सबसे पहले महोत्सव परिसर की समग्र व्यवस्थाओं का अवलोकन किया

श्रवण धाम : जिलाधिकारी ने प्रर्दशनी का किया निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। श्रवण धाम महोत्सव के दौरान सोमवार को जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने महोत्सव परिसर का भ्रमण कर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों एवं सूचना विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की स्थिति, स्टालों की उपयोगिता और आमजन को दी जा रही जानकारियों की समीक्षा की गई।

महोत्सव में सूचना विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया। प्रदर्शनी में जिले के विकास कार्यों, सरकारी उपलब्धियों और जनहित से

जुड़ी योजनाओं को चित्रों और सूचना पटल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी की सामग्री, प्रस्तुति और संदेश की गुणवत्ता को देखा और इसे और अधिक जनोपयोगी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सूचना विभाग की प्रदर्शनी का उद्देश्य लोगों को सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों से अवगत कराना है, इसलिए जानकारी स्पष्ट, तथ्यपरक और आकर्षक होनी चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हो सकें।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्टालों पर निर्धारित समय तक कर्मचारी उपस्थित रहें और आगंतुकों को सही मार्गदर्शन दिया जाए।

महोत्सव परिसर में व्यवस्थाओं का जायजा

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले महोत्सव परिसर की समग्र व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साफ-सफाई, आवागमन, स्टालों की सज्जा और दर्शकों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं को परखा गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि महोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं और आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित होती रहें।

विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण

श्रवण धाम महोत्सव में जिला प्रशासन के साथ-साथ विभिन्न विभागों द्वारा सूचना, जनकल्याण और सरकारी योजनाओं से जुड़े स्टाल लगाए गए हैं। जिलाधिकारी ने एक-एक कर इन स्टालों का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध कराई जा रही जानकारियों के बारे में जानकारी ली। स्टालों पर मौजूद कर्मचारियों से योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता और लाभ की जानकारी पूछी गई। निरीक्षण के दौरान इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि स्टालों के माध्यम से आमजन को सरकारी योजनाओं की सही और स्पष्ट जानकारी मिल रही है या नहीं। जहां आवश्यक पाया गया, वहां प्रस्तुति को और प्रभावी बनाने तथा सूचना को सरल भाषा में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए।

भाषण के दौरान कटेहरी विधायक का नाम भूल गए प्रभारी मंत्री

श्रवणधाम महोत्सव के उद्घाटन मंच पर असहज क्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। तीन दिवसीय श्रवणधाम महोत्सव के पहले दिन कार्यक्रम स्थल पर उस समय असहज स्थिति बन गई, जब जिले के प्रभारी मंत्री गिरीश चन्द्र यादव अपने संबोधन के दौरान कटेहरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक का नाम भूल गए। मंच से जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते समय अचानक उनका भाषण रुक गया, जिससे कुछ पल के लिए पूरे पंडाल में खामोशी छा गई।

मंत्री के सवाल के बाद मंच पर कुछ देर तक असमंजस की स्थिति बनी रही। इसी दौरान किसी ने धीमी आवाज में विधायक का नाम धर्मराज निषाद बताया। नाम सुनते ही प्रभारी मंत्री ने मुस्कराते हुए फिर से अपना संबोधन शुरू कर दिया और आगे की औपचारिकताएं पूरी कीं।

हालांकि मंत्री ने स्थिति को संभालते हुए भाषण आगे बढ़ा दिया, लेकिन तब तक पंडाल में मौजूद हजारों दर्शकों ने यह दृश्य देख लिया था। दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों के बीच फुसफुसाहट तेज हो गई। कुछ लोगों ने इसे सामान्य भूल बताया, जबकि कुछ इसे राजनीतिक मंच पर हुई बड़ी चूक के रूप में देख रहे थे।

घटना के बाद भी कार्यक्रम की कार्यवाही सामान्य रूप से चलती रही। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और अन्य निर्धारित कार्यक्रम अपने तय क्रम में संपन्न हुए। मंच संचालन की जिम्मेदारी निभा रहे आयोजकों ने समय प्रबंधन बनाए रखते हुए आयोजन को आगे बढ़ाया।

मंच से पूछा गया विधायक का नाम

प्रभारी मंत्री जैसे ही मंच से उपस्थित जनप्रतिनिधियों के नाम गिनाने लगे, अचानक वे ठिठक गए। कुछ सेकंड रुकने के बाद उन्होंने मंच की ओर झुककर सवाल किया, "कटेहरी विधायक का नाम क्या है?" यह सुनते ही मंच पर बैठे नेताओं और कार्यकर्ताओं में हलचल मच गई। कोई फाइल पलटने लगा, कोई मोबाइल फोन देखने लगा, जबकि कुछ लोग आपस में धीमी आवाज में चर्चा करते नजर आए।

अकबरपुर - बसखारी मेन हाईवे के डिवाइडर में लहसुन की खेती

सड़क सुरक्षा पर उठे सवाल, प्रशासन की चुप्पी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद के अकबरपुर–बसखारी मेन हाईवे पर इन दिनों एक असामान्य दृश्य लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। सड़क के बीच बने डिवाइडर में लहसुन की बाकायदा खेती कर दी गई है। जहां आमतौर पर हरियाली और सजावटी पौधे लगाए जाते हैं, वहां अब खेत जैसी कतारों में लहसुन लहलहाता दिखाई दे रहा है। इस नजारे को देखकर राहगीर और वाहन चालक हैरान हैं और कई लोग गाड़ी रोककर इसे देखने को मजबूर हो रहे हैं। अकबरपुर से बसखारी को जोड़ने वाला यह मेन हाईवे व्यस्त मार्गों में शामिल है। दिनभर यहां से भारी वाहनों के साथ दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में डिवाइडर में फसल उगने से राहगीरों की नजर बार-बार वहीं ठहर जा रही है। स्थानीय लोगों

का कहना है कि पहले डिवाइडर में घास और सजावटी पौधे लगाए जाते थे, जिससे सड़क की सुंदरता बनी रहती थी, लेकिन अब वहां लहसुन की फसल उग आई है।

डिवाइडर में लहसुन की खेती होने से हाईवे की मूल पहचान पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों के बीच चर्चा है कि यदि यह स्थिति बनी रही तो सड़क और खेत के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाएगा। कई राहगीरों का कहना है कि यह दृश्य भले ही अलग लगे, लेकिन यह सड़क सुरक्षा के लिहाज से ठीक नहीं है। डिवाइडर का उद्देश्य वाहनों को अलग करना और दुर्घटनाओं को रोकना होता है, न कि खेती का प्रयोग करना। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि फसल की देखरेख के नाम पर अगर लोग बार-बार सड़क पर उतरेंगे तो दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है। हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचानक लोगों की मौजूदगी गंभीर हादसों को न्योता दे सकती है। लोगों का सवाल है कि यदि किसी दुर्घटना की स्थिति बनती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा मामला हाईवे विभाग, लोक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रशासन की जानकारी में होने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई सामने नहीं आई है। डिवाइडर में फसल उगना एक दिन में नहीं हुआ, बल्कि यह धीरे-धीरे विकसित हुई है।

गढ़रियनपुरवा में 79 साल बाद पहली बार बिजली पहुंची

बाराबंकी । बाराबंकी जिले के गढ़रियनपुरवा गांव में स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बाद पहली बार बिजली पहुंची है। सोमवार को गांव में विद्युत आपूर्ति शुरू होने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया। ग्रामीण रोहित पाल ने इसे एक सपने के सच होने जैसा बताया। उन्होंने कहा कि बिजली न होने के कारण गांव में शादी-ब्याह में भी दिक्कतें आती थीं। रिश्तेदार गांव में अंधेरा देखकर वापस लौट जाते थे। पाल ने सपा सदर विधायक सुरेश यादव, जिलाधिकारी, बिजली विभाग के अधिकारियों और ग्राम प्रधान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब वे सही मायने में स्वतंत्र भारत का अनुभव कर रहे हैं। गांव की महिलाओं ने भी इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त की। एक महिला ने बताया कि अब उनके बच्चे रात में बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे, क्योंकि पहले उन्हें दीये और मोमबत्ती की रोशनी में पढ़ना पड़ता था।

सनसनी : पति हिरासत में, पारिवारिक विवाद की पृष्ठभूमि में वारदात

शिक्षिका की गला रेतकर हत्या

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के भीटी थाना क्षेत्र स्थित क्षेत्रीय गांधी आश्रम परिसर में सोमवार सुबह एक शिक्षिका की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना से आश्रम परिसर और आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है।

मृतका की पहचान सोनी के रूप में हुई है, जो जिला मुख्यालय नगर स्थित सेंट जॉन्स स्कूल में शिक्षिका थीं। वह अपने पति उमाशंकर सिंह और ससुराल पक्ष के साथ गांधी आश्रम के आवासीय परिसर में रहती थीं। उमाशंकर सिंह भाजपा नगर मंडल का मीडिया प्रभारी बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही भीटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और

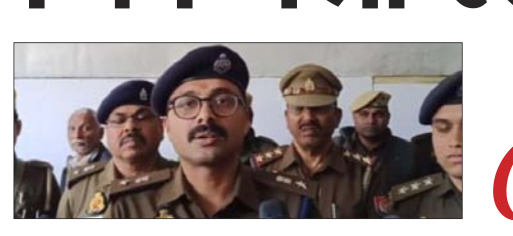

घटनास्थल को सील कर दिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार और क्षेत्राधिकारी नितीश तिवारी के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक और स्वाट टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने किचन और आसपास के हिस्सों से खून के नमूने, संभावित हथियार और अन्य तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए। घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया गया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

> **पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने बताया कि महिला की हत्या धारदार हथियार से गला काटकर की गई है। पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फॉरेंसिक रिपोर्ट, पोस्टमार्टम और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।**

सोमवार सुबह हुई वारदात

घटना सोमवार सुबह की बताई जा रही है। उस समय घर में ससुर मौजूद नहीं थे, जबकि पति उमाशंकर सिंह मंदिर में पूजा-पाठ के लिए गए थे। सास घर से बाहर दुकान पर मूंगफली खरीदने गई हुई थीं। जब सास कुछ देर बाद घर लौटीं तो किचन में बहू का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। गले पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। महिला के शव को देख सास ने शोर मचाया और परिजनों को सूचना दी। इसके बाद आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर ससुर और अन्य स्वजन भी घटनास्थल पर पहुंचे।

सम्पादकीय

बीएमसी में खींचतान, दोनों दलों के बीच साफ दिख रहा अविश्वास

एकनाथ शिंदे ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका यानी बीएमसी चुनाव में जीते अपने पार्षदों को जिस तरह एक होटल भेज दिया, उसका औचित्य समझना कठिन है। आखिर एकनाथ शिंदे के पार्षदों को किससे खतरा है? क्या उनके पार्षदों के टूटने की आशंका है या फिर वे भाजपा के मेयर को समर्थन देने की कोई कीमत वसूलना चाहते हैं? कारण जो भी हो, यह किसी से छिपा नहीं कि भाजपा और उसकी सहयोगी शिवसेना के बीच खटपट चलती ही रहती है।

विधानसभा चुनावों के बाद भी दोनों दलों के बीच खींचतान देखने को मिली थी। इसके बाद विभागों के बंटवारे को लेकर भी दोनों दलों के बीच मतभेद सामने आए थे। शिंदे शिवसेना की मानें तो उनके पार्षदों को पार्षद के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए होटल में एकत्रित किया गया है, लेकिन इस तर्क में कोई बहुत नहीं दिखता और इसीलिए विपक्षी दल उस पर कटाक्ष करने में लगे हुए हैं। उन्हें कटाक्ष का यह अवसर शिंदे शिवसेना ने स्वयं ही उपलब्ध कराया है।

समझना कठिन है कि जब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना राज्य की सत्ता में साझेदार है और उसने बीएमसी के साथ महाराष्ट्र के अन्य निकाय चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़े थे, तब फिर अपने पार्षदों को एकत्रित क्यों कर रही है? यह देखना दयनीय है कि जब दोनों दलों के पार्षदों को मुंबई की सूरत संवारने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करनी चाहिए, तब उनके बीच अविश्वास देखने को मिल रहा है। हैरानी नहीं कि शिंदे शिवसेना के पार्षदों ने इसलिए होटल में डेरा जमाया हो, ताकि वे बीएमसी में मलाईदार पद हासिल कर सकें। जो भी हो, दोनों दलों के बीच का अविश्वास बीएमसी की उनकी शानदार जीत को मलिन ही कर रहा है। यह निराशाजनक है कि राजनीतिक दल नगर निकाय के चुनाव में जीत हासिल करने के लिए तो हरसंभव जतन करते हैं, लेकिन नगरों की दशा-दिशा बदलने की ईमानदारी से कोई कोशिश करते नहीं दिखते। राजनीतिक दलों के इसी रवैये के कारण देश के छोटे-बड़े शहर दुर्दशा से ग्रस्त हैं। चिंताजनक यह है कि उनकी दुर्दशा बढ़ती चली जा रही है। मुंबई सरीखे जिन महानगरों को नगरीय ढांचे में सुधार करके कोई मिसाल कायम करनी चाहिए, वे इसमें बुरी तरह नाकाम सिद्ध हो रहे हैं। इस नाकामी के चलते ही शहरी जीवन कष्टप्रद बनता चला जा रहा है।

हमारे अधिकांश शहर गंदगी-प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से तो ग्रस्त रहने ही लगे हैं, उनमें झुग्गी-बस्तियां भी बढ़ती चली जा रही हैं। बीएमसी देश का सबसे धनी नगर निकाय है। उसका बजट कई राज्यों के बजट से भी अधिक है, लेकिन इसके बावजूद मुंबई नागरिक सुविधाओं की दृष्टि से एक बदहाल महानगर है। यदि बीएमसी के मेयर का चयन सुगमता से नहीं होता तो देश की आर्थिक राजधानी का बदहाली से मुक्त होना कठिन ही होगा।

सत्ता, संगठन, प्रबंधन और रणनीति की जीत बिखराव, टकराव और संभ्रम का शिकार रहा विपक्ष

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव

उद्धव ठाकरे गुट की प्रतिक्रिया भावनात्मक रही। उन्होंने इसे नैतिक संघर्ष की लड़ाई बताते हुए कहा कि सत्ता के बल पर चुनाव जीते गए हैं। यह प्रतिक्रिया उनके कोर समर्थकों को भावनात्मक संबल तो देती है, लेकिन राजनीतिक रूप से यह सीमित प्रभाव वाली है।

बीएमसी एवं महाराष्ट्र के स्थानीय नगर निकाय चुनाव में शिवसेना के उद्धव ठाकरे एवं राज ठाकरे के गुटों का साथ आना भी कोई चमत्कार नहीं कर पाया। शरद पवार और उनकी पार्टी और कोने में खिसक गए हैं जबकि अजीत पंवार सत्तारूढ़ संगठन में ज़रूर हैं लेकिन उनकी अहमियत बढ़ती दिखाई नहीं दे रही है। कुल मिलाकर इन चुनावों में एकनाथ शिंदे एवं देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति पर अपनी पकड़ को अच्छे से साबित किया है। सार रूप में यह भी कह सकते हैं कि भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना शिंदे गुट शहरी जनता की नब्ज पकड़ने में कामयाब रहे जबकि विपक्ष आपसी टकराव एवं रणनीतिक नाकामयाबी का शिकार होने से सत्ता की राजनीति से थोड़ा और दूर खिसक गया है। महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) की जीत केवल सत्ता पक्ष की सफलता नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक असंतुलन की घोषणा है, जिसमें विपक्ष अभी तक अपने लिए ठोस दिशा तय नहीं कर पाया है। आज जब महाराष्ट्र की राजनीति पहले से ही विभाजन, अविश्वास और पुनर्संरचना के दौर से गुजर रही है तब नगर निगम चुनावों ने इसे सतह पर ला दिया है और अब इसका असर केवल सत्ता पक्ष की रणनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विपक्ष की प्रतिक्रिया और उसकी क्षमता की भी निर्णायक परीक्षा होगी। इन चुनावों की परिस्थितियाँ शुरू से सत्ता पक्ष के अनुकूल थीं। राज्य सरकार, प्रशासनिक तंत्र और शहरी विकास की चाबी भाजपा-शिवसेना शिंदे गठबंधन के हाथों में थी। नगर निगम जैसे चुनावों में मतदाता देखता है कि उसके रोज़मर्रा के काम कौन कर सकता है। ऐसे में सत्तारूढ़ गठबंधन का उम्मीदवार स्वतः ही लाभ की स्थिति में आ जाता है। भाजपा की संगठित चुनावी मशीनरी और शिंदे गुट की स्थानीय नेटवर्क-आधारित राजनीति ने इस लाभ को और ठोस बना दिया जिसके सामने विपक्ष न केवल कमजोर दिखा बल्कि आत्मविश्वास की कमी से भी जूझता नज़र आया। इस पूरे परिदृश्य का सबसे दिलचस्प और भविष्य के लिए निर्णायक पहलू विपक्ष की प्रतिक्रिया उलझी हुई प्रतिक्रियाएँ हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद विपक्ष के स्वर समान नहीं रहे। कहीं इसे "ईवीएम और सत्ता के दुरुपयोग" का परिणाम बताया गया, कहीं "स्थानीय चुनावों का असर विधानसभा पर नहीं पड़ता" कहकर खुद को दिलासा दी और कहीं भीतर ही भीतर आत्ममंथन की बातें हुईं। यह विरोधाभास अपने आप में विपक्ष की सबसे रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है स्पष्टतः राजनीतिक दृष्टि का अभाव भी कहा जा सकता है। नगर निगम चुनावों में बार-बार "गद्दारी" का नैरेटिव दोहराना मतदाता को नहीं जोड़ पाया, जो अपने वार्ड की समस्याओं से जूझ रहा है। यदि यही रुख विधानसभा चुनाव तक जारी रहा, तो यह भावनात्मक संतोष तो देगा, लेकिन संगठनात्मक क्षरण को नहीं रोक पाएगा। कांग्रेस की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत रक्षात्मक रही। पार्टी ने परोक्ष रूप से स्वीकार किया कि शहरी महाराष्ट्र में उसकी पकड़ कमजोर है, लेकिन साथ ही यह तर्क भी दिया कि विधानसभा चुनाव अलग मुद्दों पर लड़े जाते हैं। यह तर्क ऐतिहासिक रूप से हमेशा सही नहीं रहा है। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव अक्सर विधानसभा चुनाव का मनोवैज्ञानिक आधार तैयार करते हैं। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उसकी प्रतिक्रिया में न तो आक्रामकता दिखती है और न ही कोई नई राजनीतिक कल्पना और यदि यही हाल जारी रहता है तो फिर आने वाला समय भी महाराष्ट्र में कांग्रेस का नहीं है।

शरद पवार गुट की प्रतिक्रिया सबसे अधिक रणनीतिक रही तो सबसे अधिक अनिश्चित भी। भीतरखाने यह स्वीकार किया गया कि शहरी क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ ढीली पड़ी है लेकिन सार्वजनिक रूप से इसे अस्थायी झटका बताया गया। इस प्रतिक्रिया का प्रभाव यह होगा कि पार्टी में भविष्य को लेकर असमंजस बना रहेगा। यदि स्पष्ट नेतृत्व और दिशा नहीं दी गई तो विधानसभा चुनाव से पहले और टूट-फूट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। राज ठाकरे की चुप्पी भी अपने आप में एक प्रतिक्रिया है। मनसे के लिए यह चुनाव एक चेतावनी की तरह है। मराठी अस्मिता का शहरी वोट अब पूरी तरह से उनकी बपौती नहीं रहा। उनकी अगली प्रतिक्रिया चाहे वह भाजपा के साथ समीकरण हो या स्वतंत्र आक्रामक राजनीति विधानसभा चुनाव की दिशा को प्रभावित कर सकती है। लेकिन अगर यह निर्णय देर से लिया गया, तो प्रभाव सीमित रहेगा।

विपक्ष की इन बिखरी प्रतिक्रियाओं का सीधा लाभ सत्ता पक्ष को मिलेगा। भाजपा- शिंदे गठबंधन इस स्थिति को यह कहकर भुनाएगा कि विपक्ष न केवल सत्ता चलाने में अक्षम है बल्कि हार को स्वीकार कर उससे सीख लेने में भी असमर्थ है। विधानसभा चुनाव के प्रचार में यही "स्थिरता बनाम अराजकता" के नॉरेटिव की लड़ाई बन जाएगी। फिर भी यह मान लेना कि विपक्ष पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुका है, एक सरलीकरण होगा। नगर निगम चुनावों के बाद विपक्ष के पास अब भी एक अवसर है लेकिन वह अवसर केवल प्रतिक्रिया से नहीं, बल्कि पुनर्गठन से आएगा। यदि विपक्ष इस हार को आत्ममंथन का आधार बनाता है, साझा रणनीति बनाता है और शहरी व ग्रामीण मुद्दों पर एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम पेश करता है, और इन सब से बढ़कर आम आदमी की समस्याओं का अध्ययन करके उन्हें उठाएं एवं उनके हल की गारंटी दे तो विधानसभा चुनाव में मुकाबला रोचक हो सकता है लेकिन यदि प्रतिक्रियाएँ केवल बयानबाज़ी तक सीमित रहीं, तो यह हार एक स्थायी प्रवृत्ति में बदल जाएगी।

- डॉ घनश्याम बादल

हेमू कालाणी : त्याग एवं बलिदान का अप्रतिम नायक

भारत की आजादी के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध 1857 से आरंभ किया गया संग्राम अनवरत अहर्निश गतिमान रहा है। स्वातंत्र्य समर की यह जाज्वल्यमान मशाल न कभी बुझने पाई, न डिगने पाई। स्वतंत्र समर में समाज के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों ने अपना योगदान दिया है। चाहे वे किसान, मजदूर, राजनीतिक व्यक्तित्व रहे हों या फिर विद्यार्थी, शिक्षक और पत्रकार। किसी ने अपनी लेखनी से क्रांति के गीत रचे हैं तो किसी ने अपने पावन रक्त से मां भारती का तिलक किया है। देश के अस्तित्व रक्षा के लिए उम्र मायने नहीं रखती बल्कि सर्वस्व समर्पण का भाव महत्वपूर्ण होता है। गुलामी की बेड़ियां काटने के लिए किशोर वय क्रांतिकारियों ने भी राष्ट्र चेतना के गौरव अनुष्ठान में अपने जीवन की आहुति समर्पित की है। नाना साहब पेशवा की बेटी मैना हो, उत्कल का किशोर पूनम नेगी या फिर बंगाल का सिंह शावक खुदीराम बोस। किशोर बलिदानियों की इस श्रंखला में सिंध के शहीद हेमू कालाणी का नाम भारत के क्रांतिकारियों में बड़ी श्रद्धा एवं सम्मान से लिया जाता है। हेमू कालाणी को राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति के संस्कार बचपन से ही मिले थे। हेमू का जन्म 23 मार्च, 1923 को सिंध के सक्खर नामक गांव में पिता पेसूमल कालाणी एवं माता जेठी बाई के कुल परिवार में हुआ था। वह समय भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के चरम का था तो वहीं भारतीयों के विरुद्ध अंग्रेजी शासन द्वारा किए जा रहे अमानवीय यातना एवं दमन का भी। अंग्रेजों के इस कठोर एवं निर्दयी पाशविक व्यवहार से संपूर्ण देश में क्रांति एवं विद्रोह का एक वातावरण बना हुआ था। महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, विनायक दामोदर सावरकर, लाला लाजपत राय, लोकमान्य तिलक जन-जन के दिलों में श्रद्धा एवं शक्ति का केंद्र बन गये थे। महात्मा गांधी जब सिंध की यात्रा पर आए तो जन सैलाब सड़कों पर उतर आया।

प्रमोद दीक्षित मलय

सूत्रों का कहना है कि ...

राजेश श्रीवास्तव

हर दल ब्राह्मणों को अपनी ओर खींच रहा, फिर भी ब्राह्मण हताश क्यों

बीते दिनों बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने 70वें जन्मदिन पर ब्राह्मणों को खास संदेश देकर यूपी की राजनीति में जहां अपनी सोशल इंजीनियरिंग को हवा दी, वहीं ब्राह्मण समाज की उपयोगिता पर एक नया विमर्श खड़ा कर दिया जिसके चलते दल भारतीय जनता पार्टी असमंजस में आ गयी है क्योंकि ब्राह्मण भाजपा का सबसे बड़ा वोट बैंक हैं। बसपा सुप्रीमो ने भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर बड़ा बयान दिया। कहा- ब्राह्मण समाज को किसी का बाटी चोखा नहीं चाहिए। उन्हें सिर्फ सम्मान चाहिए। हमारी सरकार बनने पर ब्राह्मणों की चाहत पूरी की जाएगी। ब्राह्मण समाज को भी कांग्रेस, बीजेपी या सपा के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने बसपा की चुनावी रणनीति को लेकर भी बड़ा बयान दिया। कहा- बसपा पूरे देश में हर चुनाव अकेले ही लड़ेगी। यूपी में होने वाले चुनाव में बसपा अकेले ही उतरेगी। इसे लेकर किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए।

दरअसल, यूं ही अचानक मायावती ने ब्राह्मणों को लेकर संदेश नहीं दिया। बीते दिनों आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा के ब्राह्मण विधायकों ने बैठक की थी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था- ये पार्टी के अनुशासन के खिलाफ हैं। एक-एक से बात करके समझा दिया है। अब एक्शन लूंगा। अखिलेश यादव ने भी भाजपा की चुटकी ली थी। उन्होंने नए साल पर दी गई बाटी चोखा-पार्टी में कहा था कि भाजपा विधायक बैठे-बैठे लिट्टी चोखा खा रहे थे। अगर वो सरकार के खिलाफ खड़े हो गए, तो क्या होगा? अब भाजपा बाटी-चोखा की भी जांच कर रही है। 23 दिसंबर को लखनऊ में ब्राह्मण विधायकों ने बैठक की थी। इसमें सपा के बागी और भाजपा के विधायक शामिल थे। यह बैठक विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के बीच कुशीनगर के भाजपा विधायक पीएन पाठक की पत्नी के जन्मदिन के नाम पर उनके लखनऊ आवास पर हुई थी। इसमें पूर्वांचल और बुंदेलखंड के 45 से 50 ब्राह्मण विधायक शामिल हुए। विधायकों को लिट्टी-चोखा और मंगलवार व्रत का फलाहार परोसा गया। खास बात है कि बैठक में अन्य पार्टियों के भी ब्राह्मण विधायक पहुंचे थे। मीटिंग के बाद सरकार में हलचल मच गई। सूत्रों के मुताबिक, सीएम के ओएसडी सरवन बघेल ने बीजेपी विधायक पीएन पाठक को कॉल कर मामले की जानकारी ली। पाठक ने उन्हें बताया कि कोई राजनीतिक बैठक नहीं थी। मैंने सहभोज रखा था। बताया गया कि आरएसएस और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी भी इस मामले को शांत कराने में जुट गए थे।

सूत्रों का कहना है कि बैठक में कहा गया कि अलग-अलग जाति के खांचों में कई जातियां तो पावरफुल हो गईं, लेकिन ब्राह्मण पिछड़ गए हैं। जाति की राजनीति में ब्राह्मणों की आवाज दबती जा रही है। उन्हें अनसुना कर दिया गया। ब्राह्मणों के मुद्दों को उठाने जोर-शोर से उठाने के लिए यह जुटान हुई है। विधायकों का मानना है कि उनके समाज से डिप्टी सीएम तो हैं, लेकिन उनको ताकत नहीं दी गई। मालुम हो कि ब्राह्मण वोट बैंक यूपी के लगभग हर जिले में है। हालांकि, पूर्वांचल यानी फैजाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, गाजीपुर, गोंडा, बस्ती, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, जौनपुर जैसे जिले ब्राह्मण वोट बैंक का गढ़ माने जाते हैं। मध्य यूपी यानी कानपुर, रायबरेली, फर्रुखाबाद, कन्नौज, उन्नाव, लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई, इलाहाबाद, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अमेठी आदि जिले भी इस वोट बैंक का गढ़ हैं। इसी तरह बुंदेलखंड जोन यानी हमीरपुर, हरदोई, जालौन, झांसी, चित्रकूट, ललितपुर, बांदा आदि इलाके ब्राह्मण वोटर्स का केंद्र हैं। राजनीति के जानकारों का कहना है कि ब्राह्मण वोटर्स की लगभग 30 जिलों में महत्वपूर्ण भूमिका है। अगर हम एक जिले की औसतन पांच विधानसभा मान लें तो इनकी संख्या 150 तक पहुंच जाती है। भाजपा को 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में 89% ब्राह्मणों ने वोट दिए थे। जानकार कहते हैं कि ब्राह्मण वोकल होता है और अपने आसपास के दस वोटरों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए सभी पार्टियां ब्राह्मणों के ताकत को समझती हैं। भले ही ब्राह्मणों की संख्या यूपी में 11-12 प्रतिशत हो, लेकिन दमदारी से अपनी बात रखने की वजह से वह जहां भी रहे हैं, प्रभावशाली रहते हैं।

आई पैक...

वीरेन्द्र सिंह परिहार

अब आया ऊँट पहाड़ के नीचे

08 जनवरी को बंगाल की राजधानी कोलकाता में ईडी के छापे को लेकर वहाँ के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा जो कुछ भी किया गया उसे अप्रत्याशित ही नहीं, अभूतपूर्व भी कहा जा सकता है। गत दिनों ईडी ने आई पैक कम्पनी पर छापा डाला। छापा इस आधार पर डाला गया कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के चुनावी प्रबन्धन करने वाली आई पैक कम्पनी के द्वारा गोवा आपरेशन के लिये करोड़ो रूपयों की फंडिग की गई। बताया जाता है कि करीब 20 करोड़ की भारी-भरकम राशि का छह अलग-अलग स्तरों पर घुमाया गया ताकि पुलिस या जाँच एजेंसियों को इसकी कानो-कान खबर नहीं लगे। ईडी के अनुसार अनूप माजी के नेतृत्व वाले एक सिंडीकेट ने ईसीएल की खदानों से अवैध रूप से कोयला निकाला। यह चोरी का कोयला बंगाल और झारखण्ड की फैक्टरियों में नगद में बेंचा गया जिससे इस सिंडिकेट ने 2.742 करोड़ रूपये की अवैध कमाई किया। इस काली कमाई का एक हिस्सा राजनीतिक फंडिग और चुनावी मैनेजमेंट में इस्तेमाल हुआ जिसके चलते 08 जनवरी को ईडी ने दिल्ली और कोलकाता 10 अलग-अलग स्थानों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। जाँच की आँच आई पैक के निर्देशक प्रतीक जैन तक पहुँची क्योंकि जब यह लेन-देन हुआ तो प्रतीक जैन ही गोवा में चुनावी कन्सल्टेंसी का काम देख रहे थे। फलतः कोलकाता में उनके लाउडान स्थित घर की तलाशी ली गई पर जब यह कार्यवाही चल रही थी तो ममता बनर्जी राज्य के डीजीपी, कोलकाता के पुलिस कमिश्नर और सैकड़ो पुलिस कर्मियों के

साथ पहुँच गई और ईडी अधिकारियों को धमकाया, गलत तरीके से रोका। लैपटाप, मोबाइल फोन और दस्तावेजों समेत ईडी द्वारा जब्त किये सामानों को छुड़ाकर अपने साथ ले गई। ईडी की कार्यवाही के दौरान वह हरे रंग की फाईल ले जाती दिखी। इतना ही नहीं, ईडी को सबक सिखाने के लिये उसके विरूद्ध चार एफआईआर भी दर्ज करवा दिया। इस सम्बन्ध में उन्होंने देश के गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाये कि उनके द्वारा बदले की भावना से यह कार्यवाही कराई जा रही है। उन्हें यह भी पता नहीं कि ईडी गृह मंत्रालय के अधीन नहीं वरन वित्त मंत्रालय के अधीन काम करती है। निश्चित रूप से यदि कुछ गलत था तो वह न्यायालय जा सकती थी पर इस तरह से पुलिस को लेकर सड़क पर जाँच रोकना यह तो अभूतपूर्व है। अगर यह उदाहरण बना तो कोई भी ताकतवर व्यक्ति बदले की भावना का आरोप लगाकर कोई तलाशी और जाँच नहीं होने देगा पर असलियत यह कि जैसा कि गोंडा से भाजपा सांसद जनार्दन दुबे कहते हैं, ममता ईडी से नहीं, सीडी से परेशान हैं।

जरा हटके

देश भर में टेस्ट...

पुनीत उपाध्याय

देश में पानी की क्वालिटी बड़ी चुनौती

स्वच्छ पानी की दरकार भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरी है। 2025 के आखिर में मध्य प्रदेश के इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में पीने के पानी में गंभीर कंटैमिनेशन का संकट देखा गया जब सीवेज पानी की सप्लाई में मिल गया। 20 लोगों की मौत हुई। 1500 से ज़्यादा डायरिया और गैस्ट्रोएंटेराइटिस के शिकार होकर अस्पताल में भर्ती हुए। नगर निगम और राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की कि पीने के पानी में बैक्टीरिया से गंदगी फैलने की मुख्य वजह थी। यह हादसा एक बानगी है। देश का कोई भी शहर, कस्बा, गांव इस समस्या से अछूता नहीं है। इंटरनेशनल बेंचमार्क पीने के पानी की सेफ्टी और असुरक्षित पानी के संपर्क से जुड़े इंडिकेटर्स पर भारत को दुनिया भर में लगातार निचले लेवल पर रखते हैं। येल यूनिवर्सिटी ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर जो एनवायर्नमेंटल परफॉर्मेंस इंडेक्स 2024 बनाया उसमें असुरक्षित पीने के पानी के संपर्क को मापने वाले खास इंडिकेटर पर भारत 180 देशों में 116वें नंबर पर रखा। सेंट्रल ग्राउंडवॉटर बोर्ड के असेसमेंट से पता चलता है कि भारत के ज़्यादातर ज़िले कम से कम एक पैरामीटर से ग्राउंडवॉटर कंटैमिनेशन से प्रभावित हैं। आम कंटैमिनेंट्स में फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट, सलिनिटी, आयरन और हेवी मेटल्स शामिल हैं। अलग-अलग

नेशनल असेसमेंट से पता चलता है कि 200 मिलियन से ज़्यादा लोग ऐसे ग्राउंडवॉटर के संपर्क में हैं जिसमें केमिकल कंसंट्रेशन मंज़ूर लिमिट से ज़्यादा है। देश भर में टेस्ट किए गए ग्राउंडवॉटर सैंपल में से 20द्30 फीसदी एक या ज़्यादा सेफ्टी पैरामीटर से ज़्यादा हैं जिसमें कंटैमिनेशन हॉटस्पॉट मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्से जैसे राज्य हैं। इंडिया वाटर पोर्टल के अनुसार भारत में जल प्रदूषण एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती है। यह न केवल एक प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दा है बल्कि यह राष्ट्र के स्वास्थ्य और समृद्धि से भी सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। भारत में जल प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत अनुपचारित सीवेज है। प्रमुख शहरों में प्रतिदिन लगभग 38 हजार 354 मिलियन लीटर सीवेज उत्पन्न होता है लेकिन शहरी सीवेज उपचार क्षमता केवल 11 हजार 786 मिलियन लीटर प्रतिदिन है। अधिकांश सरकारी स्वामित्व वाले सीवेज उपचार संयंत्र अनुचित डिजाइन, खराब रखरखाव, बिजली की अविश्वसनीय आपूर्ति, कर्मचारियों की अनुपस्थिति और खराब प्रबंधन के कारण ज्यादातर समय बंद रहते हैं। शहरी क्षेत्रों में उपयोग किए गए लगभग 80 फीसदी पानी को अपशिष्ट जल के रूप में बाहर निकाल दिया जाता है जिसे अक्सर ठीक से उपचारित नहीं किया जाता है।

स्थूल पर नहीं अटकना

हमारे यहाँ प्राचीन ग्रंथों में चक्खुदयाणं विशेषण का प्रयोग हैं जिसका अर्थ आंतरिक आँख देने वाला हैं। हम अंतचक्षुओं के आधार से अंतर में आलोकित हो सकते हैं। गुरुदेव तुलसी कहा करते थे- हम न रुकना जानते है, हम न झुकना जानते है हो प्रबल संकल्प इतना सफल हो सब हमारी कल्पनाएं। जीवन चलना ही ज़िंदगी है चलती ही जा रही है। जीवन का अनुभव हैं कि मैं हूँ यही सबसे बड़ा संतुष्टि का प्रमाण है। वह इसी का सच्चा अनुभव आदमी को वास्तव में धनवान बनाता है। हम जीवन में यदि कुछ आस लगा कर बैठ गए तो निश्चित मानें कि वह कभी पूरी नहीं होगी। हमारी जिन्दगी अंतहीन और-और के महासागर में गोते लगाती रहेगी। वह इसीलिए जीवन जीने का सर्वोत्तम तरीका है कि हम आँख बंद करें और अंदर उतरें, जितना हो सके वहीं ठहरे रहने का अभ्यास आदि करें। इस तरह रुकना ही जीवन है। वास्तविक जीवन अगर हमको जीना है तो हम जीत-हार की बात भूल जाएँ। हम इस लालसा में न जाएँ। अपने में ही बस ! हमारा ध्यान केंद्रित हो जाएँ। वह सफल हो गए तो सब कुछ जीत गए। एक घटना प्रसंग वैध दवा दे रहा हैं किंतु रोगी की बीमारी ठीक नहीं हो रही हैं। वह इसलिए नहीं हो रही है कि वह कटु दवा का प्रयोग नहीं करना चाहता हैं। वैध को रोगी बार- बार कह रहा है मैं कड़वी दवा नहीं लेना चाहता हूं। मुझे मीठी ही दवा दों। वैध ने मजबूरी में मीठी- मीठी दवा रोगी को दी लेकिन वह बीमारी सही नहीं हुईं। वह फिर वैध ने रोगी को कहा कि तुम्हारी बीमारी जटिल हैं। तुम्हारी इस बीमारी का ईलाज इस दवा से नहीं होगा। तुम्हें कड़वी दवा लेनी ही होगी। वह तुमको कटुक चिरायता भी लेना पड़ेगा। वह कभी - कभी कड़वी दवा भी लेनी होती हैं। अतः आंख मूंदकर उसने कड़वी दवा ली क्योंकि केवल मीठी दवा से काम नहीं होता हैं। वह ठीक इसी तरह हम स्थूल व सूक्ष्म को सही से नहीं समझ पा रहें हैं। हमारे सामने यह आगम आदि में हैं कि शरीर अलग हैं, जीव अलग हैं। वह सब साधु- साध्वी के द्वारा हमको कड़वी दवा देने के रूप में इसको समझाया भी जाता हैं। सूक्ष्म जगत का नियम अलग होता है और स्थूल जगत का नियम अलग होता हैं। हमको इन आंखो से सूक्ष्म कैसे दिखाईं देगा ? हमको सूक्ष्म जगत का ज्ञान इन आंखो से कैसे होगा। वह इसके लिए हमको भीतर की और जाना होगा। साधारणतया व्यक्ति तो कभी-कभी विषम परिस्थिति में हिल जाता है और संभलना मुश्किल होता है। वह समझदार इसे अपरिहार्य मान कर स्वीकार कर लेता है। वह बदलाव के साथ सामंजस्य बैठा लेता है। विशेष रूप से बदलाव की जो घटना अघटित नहीं हो सकती उसे स्वीकार करना ही त्राण दे सकता है। ऐसी परिस्थिति में सबसे उत्तम तरीका ज्यादा समय अपने भीतर में ही रमण करना है और आहिस्ते-आहिस्ते परिवर्तित परिस्थिति के साथ एकमएक हो जाना हैं।

> प्रदीप छाजेड़

कारोबारी से रंगदारी मांगी- 2 लाख दो, वरना एनकाउंटर कर दूंगा, आरोपी एक विभाग में क्लर्क पद पर तैनात

गोरखपुर यूनिवर्सिटी का सस्पेंड क्लर्क बना फर्जी आईपीएस

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । 2 दिन में 2 लाख नहीं दिए तो हत्या का केस दर्ज कर एनकाउंटर कर दूंगा। ये कहकर कपड़ा कारोबारी से रंगदारी मांगने वाले फर्जी IPS को गोरखपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी गोरखपुर यूनिवर्सिटी के एक विभाग में क्लर्क पद पर तैनात है। वर्तमान में वह निलंबित चल रहा है। पुलिस ने उसके पास से वर्दी बरामद की है। वह सोशल मीडिया पर वर्दी वाली फोटो डालकर भौकाल बनाता था। इसके सहारे ही वह धमकाकर

कई लोगों से पैसे ले चुका है। शनिवार को कोर्ट में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया। जानकारी की तो पता चला कि वह IPS अधिकारी नहीं है। बल्कि थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-1 अंबेडकर नगर का रहने वाला शनि वर्मा है। जो पुलिस विभाग में अधिकारी नहीं है। संदीप सिंह ने कहा कि इसके बाद मैं शनिवार को पीपीगंज थाने पहुंचा। आरोपी शनि के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की जांच शुरू की। पुलिस ने शनिवार को शनि को अरेस्ट किसर। उससे पूछताछ में सामने आया कि उसने इलाके के रहने वाले हॉस्पिटल संचालक, संतकबीर-नगर के मेहदावल जमहबरा निवासी विकास और कैंपियरगंज नुरुद्दीननचक निवासी जितेंद्र सिंह से भी रंगदारी मांगी थी।

अगस्त 2025 में शनि के लापता होने का मुकदमा कैंट थाने में उसके भाई ने दर्ज कराया था। भाई का कहना था कि शनि घर से ड्यूटी पर यूनिवर्सिटी गया था। इसके बाद से ही उसका मोबाइल बंद हो गया। तब वह दो दिन घर नहीं लौटा था। तब पुलिस जांच में पता चला था कि उसने कई लोगों से उधार रुपए ले रखे थे। उनके डर से वह कहीं जाकर छिप गया था। इस संबंध में एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि फर्जी आईपीएस बनकर पैसा मांगने वाले आरोपी को अरेस्ट कर जेल भिजवा दिया गया है। उसके बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है।

यूनिवर्सिटी का कर्मचारी है शनि, दो शादियां कीं

एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि जांच में पता चला कि आरोपी शनि गोरखपुर यूनिवर्सिटी के एक विभाग में क्लर्क पद पर तैनात है। किसी मामले में वह निलंबित चल रहा है। शनि वर्मा के पिता स्व. रामकृष्ण शर्मा यूनिवर्सिटी में कर्मचारी थे। वर्ष 2015 में उनकी मौत हो गई थी।

इसके बाद पिता की जगह पर शनि वर्मा को यूनिवर्सिटी में क्लर्क की नौकरी मिली थी। शनि ने 2 शादियां की हैं। एक पत्नी से उसके दो बच्चे हैं। पत्नी को उसने तलाक देकर दूसरी शादी की है।

आईपीएस की धमकी के बाद खुद जांच की

नगर पंचायत पीपीगंज के वार्ड नंबर 17 अटल नगर निवासी संदीप सिंह पेशे से कपड़ा व्यापारी हैं। संदीप ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले शाम के समय एक व्यक्ति आईपीएस अधिकारी की वर्दी पहनकर मेरे घर आया।

उसने कहा कि मैं यहां का IPS अधिकारी हूं। मुझे दो लाख रुपए चाहिए। अगर मुझे 2 दिन में रुपए नहीं मिले तो हत्या के मुकदमे में फर्जी तरीके से फंसा कर जेल भिजवा दूंगा। फिर फर्जी एनकाउंटर कर दूंगा। इसके बाद वह चला गया।

जिस समय खुद को IPS बताने वाला युवक मेरे आया था, उस समय मेरे घर पर गोरखनाथ क्षेत्र के रहने वाले विनोद सिंह मौजूद थे। उन्होंने मुझसे कहा कि आज से पहले इसे तो कभी क्षेत्र में नहीं देखा। फिर हम लोगों ने उसकी जांच की।

भाकियू अराजनैतिक की मीटिंग में संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। भाकियू अराजनैतिक की मासिक पंचायत गन्ना समिति में हुई। पंचायत में किसानों की समस्याओं को लेकर मंथन हुआ और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। सोमवार को गन्ना समिति बिजनौर के प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक मीटिंग संपन्न हुई। भाकियू अ की मीटिंग में युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह ने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। दिगम्बर सिंह ने कहा कि जिले में किसानों की समस्याओं के निस्तारण कराने को प्राथमिकता दी जाएगी। मीटिंग की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही ने तथा संचालन राकेश प्रधान ने किया। मीटिंग में संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। 27, 28 और 29 जनवरी को प्रयागराज में होने वाले राष्ट्रीय चिंतन शिविर में जाने के लिए कार्यकर्ताओं से कहा गया। जिला अध्यक्ष नितिन सिरोही ने कहा कि संगठन के सभी कार्यकर्ता 26 जनवरी को प्रयागराज में होने वाले राष्ट्रीय

प्रयागराज में होने वाले राष्ट्रीय चिंतन शिविर में पहुंचने का आह्वान

चिंतन शिविर के लिए अपने-अपने नजदीकी रेलवे स्टेशनों से प्रस्थान करेंगे। युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह ने बताया कि युवाओं को मार्गदर्शन देने के लिए जल्द ही एक ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जाएगा जिसके माध्यम से युवाओं को नशा जैसी गलत आदतों से मुक्ति मिलेगी तथा समाज सेवा करने के लिए मजबूती प्रदान होगी। मीटिंग में चौधरी दिगंबर सिंह, नितिन सिरोही, अतुल बालियान, नतेंद्र प्रधान, वीर सिंह ,दर्शन सिंह फौजी, लोकेंद्र सिंह ,तेजवीर सिंह, अरविंद राजपूत ,ओम प्रकाश सिंह, कुलबीर सिंह उदयवीर सिंह देवानंद भूईयार आसिफ, सुरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

शोहदे को 12 थप्पड़ जड़े, हाथ जोड़ माफी मांगता रहा

गोरखपुर । गोरखपुर में एक युवक ने छात्रा से छेड़खानी कर दी। हाथ पकड़कर गली में खींच लिया। छात्रा ने तुरंत झटक कर हाथ छुड़ाया। बचने के लिए भागने लगी। लड़के की इस हरकत का गली में खड़े लोगों ने वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के 24 घंटे के अंदर ही पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वायड ने आरोपी युवक को अरेस्ट कर लिया। आरोपी पुलिस के सामने युवक ऐंठ दिखाने लगा तो बीच बाजार महिला सिपाही ने कान पकड़कर सबक सिखाया।

जमीनी विवाद में महिला की हत्या

वाराणसी । वाराणसी में शनिवार की दोपहर जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल महिला की सोमवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। जानलेवा हमला करने वाला फरार हैं। दो अन्य आरोपितों को पुलिस हिरासत में ले ली हैं। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। एतिहातन गांव में पुलिस फोर्स लगा दी गयी हैं। परिजनों ने 3 घंटे शव रख हंगामा किया। चित्रसेनपुर गांव में शनिवार दोपहर मुन्ना पटेल और उनके पड़ोसियों के बीच भूमि विवाद को लेकर कहासुनी हुई थी। विपक्षी पक्ष के कुलदीप, विक्रम, चंद्रावती, नीतू और श्रेयांश मुन्ना पटेल के घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे।

अधिवक्ता के पिता को नमस्ते कर बदमाशों ने लूटा

गोरखपुर । गोरखपुर के गोरखनाथ थाना क्षेत्र से लूट के एक पुराने मामले में पुलिस पर उचित कार्रवाई न करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने अधिवक्ता के बुजुर्ग पिता को गाड़ी में बैठाया और उनकी सोने की अंगूठी और 2500 रुपए लेकर फरार हो गए।

वारदात के बाद पीड़ित ने तत्काल गोरखनाथ थाने में FIR दर्ज करवाई।

आलू की फसल में झुलसा एवं पाला से करें बचाव

प्रकोप

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । जिला कृषि अधिकारी ने जानकारी साझा की मौसम में नमी एवं ठंडी बनी रहने के कारण आलू की फसल में झुलसा बीमारी का प्रकोप होने की सम्भावना रहती है, ऐसे में फसल के बचाव के लिए फंफूदी-नाशक मैन्कोजैब 75 प्रतिशत अथवा जिनेब 75 प्रतिशत, 2 से 2.5 किग्रा0 प्रति हेक्ट0 की दर से 400-500 लीटर पानी में मिलाकर रोग लगने से पहले सुरक्षात्मक छिड़काव करें। फसल मंे झुलसा लग जाने की दशा में 500 ग्राम कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत $ 2 किग्रा0 मैकोंजेब 75 प्रतिशत प्रति हेक्ट0 की दर से प्रयोग करें। पाला पड़ने से दलहनी फसलों को नुकसान होता

है। फसलों पर पोटाश के 2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करने से पाला का असर नहीं होता है। पाले से बचाव के लिए फसलों की हल्की सिचांई करें। सरसों की फसल में माहू का प्रकोप होने पर क्लोरोपाइरीफॉस 20 प्रतिशत, 1.25 लीटर प्रति हे0 की दर से 400-500 ली0 पानी में मिलाकर प्रयोग करें। किसान भाई अपनी फसल की बराबर निगरानी करते रहें। विकास खण्डों में स्थित कृषि रक्षा इकाइयों पर 50 प्रतिशत अनुदान पर कृषि रक्षा रसायन उपलब्ध है।

डीएम ने लोधेश्वर महादेवा मेला क्षेत्र का किया स्थलीय निरीक्षण

फागुनी महाशिवरात्रि मेले को लेकर प्रशासन सख्त

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। लोधेश्वर महादेवा में लगने वाले प्रसिद्ध फागुनी महाशिवरात्रि मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में दिखाई दिया। सोमवार को जिलाधिकारी शशांक कुमार त्रिपाठी ने अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह सहित प्रशासनिक अमले के साथ लोधेश्वर महादेवा मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेला मैदान, अभरण सरोवर, बोहनिया तालाब, जलहरी कुंड सहित अन्य प्रमुख स्थलों का गहन अवलोकन किया।

निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी

ने महादेव पुलिस चौकी परिसर में संबंधित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मेले से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिर तक आने-जाने वाले सभी मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग और वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डीएम ने खंड विकास अधिकारी, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों को मेला क्षेत्र में नियमित सफाई, एंटी लार्वा

छिड़काव और कूड़ा प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी। दुकानदारों को अग्निशमन यंत्र रखने, कूड़ेदान की व्यवस्था करने और पॉलीथीन का प्रयोग न करने के निर्देश भी दिए गए। भीड़ को देखते हुए बुढ़वल रेलवे स्टेशन से मेला मार्ग तक विशेष प्रकाश व्यवस्था कराने के निर्देश जिला पंचायत को दिए गए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सा विभाग को मेला क्षेत्र से छुट्टा जानवर हटाने, स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल कैंप लगाने और अग्निशमन दल की तैनाती सुनिश्चित करने के आदेश दिए। साथ ही पेयजल व्यवस्था के लिए खराब हैंडपंपों की मरम्मत, पानी की टंकियों को दुरुस्त करने और जरूरत पड़ने पर टैंकर से जलापूर्ति कराने को कहा। भीड़ नियंत्रण और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन कैमरों की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था को लेकर डीएम ने चौकाघाट–मरकामऊ मार्ग पर चल रहे पुल निर्माण कार्य को मेला अवधि में रोकने तथा वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करने को कहा।

विद्युत विभाग को कड़े निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मेला क्षेत्र में जर्जर खंभे और खुले तार बिल्कुल नहीं होने चाहिए। साथ ही 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने और खराब हाई मास्ट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने के आदेश दिए। जल स्रोतों की स्वच्छता पर जोर देते हुए उन्होंने अभरण सरोवर व बोहनिया तालाब की बेहतर सफाई, बैरिकेडिंग और जाल लगाने के निर्देश दिए तथा महिलाओं के लिए अस्थाई चेंजिंग रुम बनाए जाने को कहा।

अंडरपास की मांग पर ग्रामीणों का प्रदर्शन कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

एनएचएआई द्वारा मांग खारिज होने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर में मेरठ-पौड़ी नेशनल हाईवे पर अंडरपास की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने आज जोरदार प्रदर्शन किया। हेमराज कॉलोनी के पास अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीण पहले नुमाइश मैदान में एकत्र हुए, फिर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। मेरठ-पौड़ी नेशनल हाईवे का निर्माण कार्य बिजनौर जिले में लंबे समय से चल रहा है। बैराज से पहले हेमराज कॉलोनी के पास निर्माणाधीन हाईवे पर आसपास के कई गांवों के ग्रामीण महीनों से अंडरपास की मांग कर रहे थे। हाल ही में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने ग्रामीणों की इस मांग को रद्द कर दिया था

और वहां काम फिर से शुरू करवा दिया था। एनएचएआई के इस फैसले के विरोध में आज सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए। उन्होंने नारेबाजी करते हुए नुमाइश मैदान में धरना प्रदर्शन शुरू किया। बाद में, प्रदर्शनकारी जुलूस की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे और वहां भी अपनी मांग दोहराते हुए प्रदर्शन किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। तहसीलदार और नायब तहसीलदार सहित कई पुलिस अधिकारी भी स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। ग्राम प्रधान सपन राय ने बताया कि इस स्थान पर अंडरपास का निर्माण आवश्यक है, अन्यथा भविष्य में बड़े हादसे और जनहानि की आशंका है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अंडरपास की मांग पूरी नहीं होती है, तो ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

शिक्षण एकता का दिया गया संदेश उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना

पीजी कॉलेज में प्रोफेसर पद पर प्रोन्नति की खुशी में समरसता भोज

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। पीजी कॉलेज रामनगर में सोमवार को शिक्षा, समरसता और आपसी सम्मान का भाव उस समय देखने को मिला, जब असिस्टेंट प्रोफेसर से प्रोन्नत होकर प्रोफेसर बने डॉ. आजाद प्रताप सिंह की ओर से कॉलेज परिसर में समरसता भोज एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव था, बल्कि महाविद्यालय परिवार के प्रति उनके सहयोग और समर्पण का प्रतीक भी बना। प्रोफेसर पद का कार्यभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी शामिल हुए। समारोह के दौरान डॉ. आजाद प्रताप सिंह ने

कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने उन्हें प्रोन्नति की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर डॉ. आजाद प्रताप सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी नहीं, बल्कि महाविद्यालय के सभी सहकर्मियों के सहयोग और विश्वास का परिणाम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी के साथ समन्वय बनाकर कॉलेज की शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा तथा किसी भी शिक्षक या कर्मचारी के मान-सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

समारोह में प्रोफेसर डॉ. अखिलेश पटेल ने कहा कि कॉलेज के विकास के लिए आपसी मतभेदों को भुलाकर एक सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक जब एकजुट होकर कार्य करते हैं, तभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पाती है।

इस मौके पर प्रोफेसर के.के. सिंह, सुनीत कुमार, अखिलेश वर्मा, विश्वेश मिश्र, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. उदय प्रताप सिंह, डॉ. रामकुमार सिंह, डॉ. के.पी. सिंह, गरिमा श्रीवास्तव, रानी सैनी, सरविंद यादव, देवेंद्र साहू, सौरभ सिंह, अखिलेश सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निर्देश : श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता: डीएम

लोधेश्वर महादेवा धाम का व्यापक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । आगामी महादेवा शिवरात्रि (फाल्गुनी मेला,2026), जो कि 05 फरवरी से 16 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा, के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा सोमवार को लोधेश्वर महादेवा मंदिर का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की शुरुआत बोहनिया तालाब से की गई जहाँ जिलाधिकारी ने स्नान व्यवस्था, स्वच्छता, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों का गहन निरीक्षण

किया। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ जल की निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिलाओं हेतु पृथक चेंजिंग रूम, महिला एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग स्वच्छ शौचालय तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। स्नान स्थलों पर प्रशिक्षित गोताखोरों की सतत तैनाती के भी निर्देश दिए गए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर एवं दर्शन पथ का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रयुक्त बल्लियाँ मजबूत, टिकाऊ एवं मानक के अनुरूप हों, जिससे अधिक भीड़ की स्थिति में किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। मंदिर परिसर में पड़ी निर्माण सामग्री एवं मलबे को तत्काल हटवाने तथा पूरे क्षेत्र में नियमित सफाई हेतु डेडिकेटेड सफाई कर्मियों की तैनाती के निर्देश दिए गए। फूड सेफ्टी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में संचालित सभी खाद्य एवं पेय पदार्थ विक्रेताओं की नियमित जांच की जाए।

जिलाधिकारी द्वारा सिमली नदी घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी घाटों पर स्नान, सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं भीड़ नियंत्रण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएँ

सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मंदिर परिसर एवं सभी संवेदनशील स्थलों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएँ, जिनकी निगरानी एकीकृत नियंत्रण कक्ष से की जाए। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी विद्युत पोलों को सुरक्षा की दृष्टि से ढका जाए तथा मेला क्षेत्र एवं संपर्क मार्गों पर निर्बाध एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

फाइनेंस कर्मी की संदिग्ध मौत फंदे से लटका मिला शव

स्वास्थ्य विभाग में सीएमओ के पद पर कार्यरत शीतल के साथ लिव-इन में रह रहा था हरि ओम

तमसा संकेत, संवाददाता

चांदपुर । जनपद बिजनौर के चांदपुर में एक फाइनेंस कंपनी के फील्ड ऑफिसर हरिओम सिंह (25) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उन्होंने 18 जनवरी की देर रात कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 18 जनवरी की रात करीब 11:15 बजे सीएचसी स्याऊ चांदपुर से पुलिस को सूचना मिली। हरिओम सिंह को शीतल (25) और कुछ अन्य मोहल्ले वासी मृत अवस्था में अस्पताल लाए थे। शीतल सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। पुलिस के अनुसार, मृतक हरिओम सिंह मूल रूप से रायबरेली के नकटवा गांव के

निवासी थे। वह पिछले करीब डेढ़ साल से चांदपुर के नेहरू चौक स्थित ललिता बिल्डिंग में शीतल के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। शीतल हापुड़ के अंबेडकर नगर की रहने वाली हैं और नूरपुर ब्लॉक में स्वास्थ्य विभाग में सीएमओ के पद पर कार्यरत बताई गई हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि 18 जनवरी को हरिओम और शीतल के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद शीतल कुछ सामान लेने के लिए दुकान पर चली गईं। इसी दौरान हरिओम सिंह ने छत के पंखे से लटककर कथित तौर पर फांसी लगा ली। पुलिस ने मृतक हरिओम सिंह के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। स्थानीय पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरने के बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। पुलिस को अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

अलीगढ़- लखीमपुर में ओले गिरे, लोगों ने कटोरे में भरे, लखनऊ समेत 5 जिलों में बारिश, तेज हवा से फसलें गिरीं

यूपी में पलटा मौसम

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में अचानक मौसम पलट गया है। लखनऊ, बाराबंकी, हाथरस समेत 5 शहरों में सोमवार तड़के बारिश हुई। अलीगढ़ और लखीमपुर में देर रात ओले गिरे। तेज हवा के साथ बूंदाबांदी भी हुई। अचानक छोटे-छोटे पत्थर जैसे ओले गिरने से अफरा-तफरी मच गई। लोग ओलों को कटोरों में भरते दिखाई दिए।

अचानक मौसम में आए बदलाव से किसानों की मुसीबत बढ़ गई है। बारिश के साथ तेज हवाओं की वजह से फसलों पर सकंट मंडराने

अलीगढ़ में तेज हवा के साथ बारिश हुई। रविवार शाम 7 बजे और फिर रात 11 बजे ओले गिरे।

लगा है। ग्रामीण इलाकों में सरसों की फसलें गिर गई हैं। कृषि विशेषज्ञों का

> वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया पिछले कुछ दिनों से रात के तापमान में गिरावट हो रही थी, जो अब थमेगी। आने वाले कुछ दिनों में तापमान 2-4 डिग्री बढ़ेगा। 20 जनवरी से कोहरे से राहत मिल सकती है। बादल और बूंदाबांदी के बाद सर्दी के कम होने के आसार बन रहे हैं।

बारिश गेहूं, मसूर-चना के लिए फायदेमंद, आलू-सरसों के लिए नुकसान

कृषि विशेषज्ञों और किसानों का कहना है- बारिश गेहूं, मसूर और चना के लिए फायदेमंद है। बारिश से खेतों में नमी बढ़ेगी, इससे अच्छी पैदावार होगी। हालांकि, दूसरी ओर ओले और हवा से सरसों की फसलें गिर गईं। आलू की फसल को ये बारिश नुकसान पहुंचाएगी, क्योंकि फसल में अधिक नमी से रोग लगने और आलू सड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

कहना है कि बारिश गेहूं, मसूर और चना के लिए फायदेमंद है। सरसों और आलू की फसल को इससे नुकसान होगा। गोंडा, सुल्तानपुर समेत 25 से ज्यादा जिलों में बादल छाए हैं। आगरा समेत 25 जिले कोहरे की चपेट में हैं। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बुलंदशहर 6C के साथ सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में आज से 5 दिन बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसका असर पश्चिमी यूपी में ज्यादा रहेगा। पहाड़ों पर बर्फबारी से ठंड का असर फिलहाल बरकरार रहेगा। इससे पहले दो दिन तक पूरा प्रदेश घने कोहरे की चपेट में रहा।

यूपी में क्यों पलटा मौसम, बारिश के ओले पड़ने की वजह क्या?

वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले कुछ दिनों से रात के तापमान में हो रही गिरावट थमने के साथ ही कई स्थानों पर इसमें बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। इसके बावजूद प्रदेश के मध्यवर्ती भाग में रात आंशिक शीतलहर की स्थिति बनी रही। उन्होंने कहा कि लो-प्रेशर बनने के कारण कुछ जगहों पर हल्की बारिश और ओला पड़ा हैं।

वही, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हवा के दिशा परिवर्तन से प्रदेश के तापमान में अगले 24-48 घंटों के दौरान 2-4 डिग्री की क्रमिक वृद्धि के आसार हैं। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में रात में चल रही शीतलहर से राहत मिल सकती है और सोमवार सुबह से प्रदेश भर में जारी घने से बहुत घने कोहरे के धीरे-धीरे कम होकर 20 जनवरी के बाद समाप्त होने के आसार हैं। इसके आलावा एक पश्चिमी विक्षोभ 22 जनवरी को सक्रिय होगा जिससे बारिश के आसार पुनः दिख रहे हैं।

लखीमपुर के मितौली कस्बे में रविवार रात मौसम ने अचानक करवट ली। रात करीब 9:40 बजे तेज बारिश और ओलावृष्टि शुरू हो गई, जिससे लोग हैरान रह गए। लगभग दस मिनट तक बारिश और ओले गिरते रहे।

गाजियाबाद में कोहरे से राहत, 2 दिन बारिश का अलर्ट

गाजियाबाद में आज कोहरे से राहत मिली है। सुबह से बारिश जैसा मौसम है। सुबह के समय तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, दिन में अधिकतम तापमान 21 डिग्री पहुंचने का अनुमान है। हवा की गति 5 किलोमीटर प्रति घंटा से है, आज AQI 439 है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन बादल छाए रहने के साथ बूंदाबांदी की संभावना है।

फास्ट न्यूज

सिपाही पूर्व आईजी से बोला- आप सिस्टम नहीं समझ रहे

प्रयागराज । प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर अपने शिविर में जा रहे पूर्व IG को सिपाही ने रोक लिया। जब पूर्व IG कवींद्र प्रताप सिंह ने कहा- मैं भी 2019 कुंभ की व्यवस्था संभाल चुका हूं, आईजी रहा हूं। विहिप के शिविर में जाना है। जाने दीजिए। तो सिपाही बोला- आप मेरी बात नहीं समझ रहे हैं। जो सिस्टम बनाया गया है, उसे आपको समझना होगा। आप आगे नहीं जा सकते।

आगरा में मेट्रो के पुल से गिरा स्लीपर

आगरा । आगरा में खंदारी चौराहे के पास मेट्रो के निर्माण कार्य के दौरान लापरवाही का मामला सामने आया है। मेट्रो के लिए बनाए जा रहे ब्रिज से लकड़ी का स्लीपर नीचे कार पर गिर गया। स्लीपर कार के शीशे को तोड़ते हुए चालक के सिर के बराबर में गिरा। हादसे में कार चालक को चोट आई हैं। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मेट्रो के सिकंदरा कॉरिडोर के लिए हाईवे पर निर्माण कार्य चल रहा है। बताया गया है कि आईएसबीटी के पास सर्विस रोड से एक कार में सवार युवक गुजर रहा था। तभी अचानक उसकी कार के ऊपर एक भारी लकड़ी का स्लीपर गिरा।

ठंडी हवाओं से बढ़ी गलन, पारा 6 डिग्री

आगरा । आगरा में सोमवार सुबह से ही ठंडी हवाएं चल रही हैं। बादल भी छाये हुए हैं। इसकी वजह से रविवार की अपेक्षा सोमवार को ठंडी ज्यादा रहा। हल्का कोहरा भी रहा। सुबह का तापमान लगभग 6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 22 और 23 जनवरी को बूंदाबांदी हो सकती है, जिसके बाद तापमान में गिरावट आएगी। रविवार को दिनभर बादल छाये रहे, जिसकी वजह से अधिकतम तापमान में गिरावट आई।

पूर्वोत्तर के युवा भारत के स्किल्ड वर्कफोर्स का नेतृत्व करने को तैयार : जयन्त चौधरी

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने गुवाहाटी, असम स्थित गौहाटी विश्वविद्यालय में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए इंडियास्किल्स क्षेत्रीय प्रतियोगिता 2025-26 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इंडियास्किल्स केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उत्कृष्टता, अनुशासन और श्रम की गरिमा का उत्सव है, जो यह दर्शाता है कि पूर्वोत्तर के युवा भारत के स्किल्ड वर्कफोर्स का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं।

यह प्रतियोगिता कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से पहली बार पूर्वोत्तर क्षेत्र में आयोजित की जा रही है। इसमें असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम के 162 युवा प्रतिभागी 26 विभिन्न कौशल क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, क्लाउड कंप्यूटिंग, मोबाइल एप डेवलपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, सीएनसी, वेल्डिंग, फैशन टेक्नोलॉजी, हॉस्पिटैलिटी, हेल्थ और रिटेल जैसे आधुनिक व पारंपरिक कौशल इसमें शामिल हैं। मंत्री जयन्त चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के निरंतर फोकस और नीतिगत प्राथमिकताओं से पूर्वोत्तर के युवाओं में आत्मविश्वास और अवसरों का विस्तार हुआ है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा और कौशल विकास के एकीकरण पर भी जोर दिया। उद्घाटन समारोह में गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नानी गोपाल महंत, असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा कौशल विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव हेना उस्मान सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। इंडियास्किल्स प्रतियोगिता की बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध करेंगे और आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त करेंगे।

वंदेभारत में चढ़ते समय फिसला यात्री

कानपुर । कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर सोमवार को एक यात्री हादसे का शिकार होने से बचा। यात्री वंदेभारत एक्सप्रेस से सामान खरीदने के लिए प्लेटफार्म पर उतरा था और इसी दौरान ट्रेन चल पड़ी। यात्री ने दौड़कर ट्रेन पकड़ने की कोशिश की, लेकिन ऑटोमैटिक दरवाजे बंद हो गए। यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसका पैर फिसल गया और चलती ट्रेन के नीचे जा सकता था। लेकिन वहां पर मौजूद आरपीएफ के दो सुरक्षा कर्मियों ने दौड़कर यात्री को संभाला और उसकी जान बचाई। जिसके बाद आरपीएफ कर्मी उसे प्राथमिक उपचार के लिए लेकर गए। यात्री ने बताया कि वह पूरी तरह से स्वस्थ है। मूल रूप से दिल्ली के रहने वाले नितिन चंदना वंदेभारत एक्सप्रेस से दिल्ली से वाराणसी की यात्रा कर रहे थे। वह ट्रेन के सी-8 कोच में सवार थे। ट्रेन सुबह 10:30 बजे कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंची थी। ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 5 पर आई थी।

'इस मामले पर अगले चार महीनों के भीतर अपना फैसला सुनाए'

राजा भैया और भानवी सिंह विवाद में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़ । यूपी के प्रतापगढ़ की कुंडा सीट से विधायक बाहुबली नेता रधुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनकी पत्नी विवाद के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को आदेश दिया है कि वह इस मामले पर अगले चार महीनों के भीतर अपना फैसला सुनाए। मामला भानवी सिंह द्वारा दर्ज कराई गई घरेलू हिंसा की शिकायत से जुड़ा है, जो फिलहाल निचली अदालत में लंबित है। इससे पहले एक निचली अदालत ने राजा भैया के खिलाफ समन जारी किया था। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने रोक (Stay) लगा दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले

की खूबियों (Merits) पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन हाईकोर्ट को स्पष्ट निर्देश दिया है कि समन पर लगी रोक (Stay) के मुद्दे पर चार महीने के भीतर निर्णय लिया जाए। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने यह रोक साल 2024 में लगाई थी।लगभग तीन दशकों के वैवाहिक जीवन के बाद, इस हाई-प्रोफाइल जोड़े के बीच का कलह पिछले दो वर्षों से सार्वजनिक है। इस दौरान भानवी सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए भी राजा भैया पर कई तरह के आरोप लगाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी गुहार लगाई। भानवी सिंह के साथ रहने वाली उनकी बेटी भी इस विवाद में कूदी तो बेटा भी पिता की तरफ से कूदा। इस दौरान राजा भैया ने पूरी तरह चुप्पी साधे रखी। हालांकि उनकी तरफ से अक्षय प्रताप सिंह ने जरूर मोर्चा खोला। वर्तमान में दोनों पक्ष अदालतों में एक-दूसरे के खिलाफ डटे हुए हैं।

इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब भानवी सिंह ने राजा भैया के करीबी और एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। इसके बाद राजा भैया ने अपनी पत्नी से अलग होने के लिए साकेत कोर्ट (दिल्ली) में तलाक की अर्जी दाखिल कर दी। जवाब में भानवी सिंह ने राजा भैया पर घरेलू हिंसा और गंभीर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया।

पुलिस ने तीन अंतर्राज्यीय गौ तस्करों को किया गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना कोसीकलां पुलिस ने गौ-तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन अंतर्राज्यीय गौ-तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से दो गौवंश (गाय), दो अवैध बांक, तीन मोबाइल फोन और तस्करी में प्रयुक्त एक पिकअप गाड़ी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 18 जनवरी की रात्रि करीब 10:10 बजे मुखबिर की सूचना पर कामर से बिछोर जाने वाले रास्ते पर स्थित पुलिया के पास घेराबंदी कर यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राजू पुत्र छोटेलाल, वीरेंद्र कुमार पुत्र राकेश कुमार और अनिल कुमार पुत्र कृष्ण गोपाल के रूप में हुई है, तीनों आरोपी जनपद आगरा के थाना बरहन क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध

थाना कोसीकलां पर धारा 5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम, धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, धारा 4/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामद दोनों गायों को मौके से सुरक्षित निकालकर दुर्वासा ऋषि गऊशाला भेज दिया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि अभियुक्त अनिल कुमार का आपराधिक इतिहास बेहद गंभीर है। उस पर पूर्व में गैंगस्टर एक्ट, हत्या के प्रयास (307 IPC) और आर्म्स एक्ट सहित कई संगीन मुकदमे जनपद हाथरस में दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति उजागर होती है। इस पूरी कार्रवाई को थाना कोसीकलां के प्रभारी निरीक्षक राजकमल सिंह उपनिरीक्षक रजनीश नैन के नेतृत्व में अंजाम दिया गया।

युवक - युवती हॉस्पिटल में ट्रांसपोर्टर का शव छोड़कर भागे

कानपुर । कानपुर के रीजेंसी हास्पिटल में सोमवार तड़के युवक और युवती ट्रांसपोर्टर का शव छोड़कर भाग गए। वहीं उनकी कार हास्पिटल के बाहर खड़ी मिली। ट्रांसपोर्टर कानपुर देहात के रनियां जैनपुर के रहने वाले थे और कार से चित्रकूट जाने की बात कहकर रविवार शाम घर से निकले थे। काकादेव पुलिस ने परिजनों को ट्रांसपोर्टर के मौत की सूचना दी।

कानपुर देहात के यूपीएसआइ-डीसी रनियां जैनपुर निवासी 40 वर्षीय मनीष यादव ट्रांसपोर्टर थे। उनका जैनपुर में ही ट्रांसपोर्ट है। परिवार में पत्नी अनामिका बेटी पायल व करन अर्जुन बेटे हैं। बड़े भाई सुनील कुमार यादव ने बताया कि रविवार शाम मनीष चित्रकूट जाने की बात कहकर अपनी कार से निकले थे। सोमवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे उनके मोबाइल पर अंजान नंबर से किसी युवती का फोन आया। उसने बताया कि मनीष की हालत गंभीर है और वह रीजेंसी हास्पिटल में भर्ती हैं।

सार्वजनिक स्थलों- सड़कों पर अवैध साप्ताहिक बाजार न लगाने के निर्देश

एडीएम अंशिका दीक्षित ने गौशाला में सीसीटीवी लगाने के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर । बिजनौर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वच्छ भारत मिशन नगरीय और नगर विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। यह बैठक जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देशों पर आयोजित की गई थी।बैठक में सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सार्वजनिक स्थलों या सड़कों पर अवैध साप्ताहिक बाजार न लगें, ताकि आवागमन बाधित न हो। साथ ही, निकाय क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों से शत-प्रतिशत शुल्क वसूली सुनिश्चित की जाए। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और गीले-सूखे कूड़े का सही निस्तारण करने पर भी जोर दिया गया। सर्दी के मौसम को देखते हुए, सभी गो

आश्रय स्थलों का निरीक्षण करने और गोवंशों के लिए आवश्यक सुविधाएं अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने सभी गो आश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे संचालित करने को भी कहा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को गोवंशों के उपचार में दी जाने वाली दवाओं का रजिस्टर बनाने और उसे अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को प्रधानमंत्री सूर्य योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ दिलाने के लिए नगर निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप लगाने के निर्देश दिए गए। अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी नागरिकों तक पहुंचाने को कहा गया। निर्माणधीन पुस्तकालयों का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश भी दिए गए।

पृष्ठ 01 का शेष...

86वें अखिल...

ऐसे में राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही का घटता समय सभी के लिए चिंताजनक है। श्री बिरला ने राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही के लिए निश्चित एवं पर्याप्त समय सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी।

इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला समापन सत्र को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के उपरांत श्री बिरला मीडिया को संबोधित करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

नोएडा में इंजीनियर...

मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित इस तीन सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व मेरठ की मंडलायुक्त करेंगी। इस टीम में उनके साथ मेरठ जोन के एडीजी (ADG) और पीडब्ल्यूडी (PWD) के मुख्य अभियंता भी शामिल होंगे। सीएम ने कहा है कि एसआईटी अगले 5 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

बीते 17 जनवरी को सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की कार कोहरे के कारण सेक्टर 150 में एक निर्माणाधीन साइट पर खोदे गए 20 फीट गहरे और पानी से भरे गड्ढे में गिर गई थी। घंटों चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद युवराज को बाहर निकाला जा सका, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

इस मामले में युवराज मेहता के पिता राजकुमार मेहता की शिकायत पर नॉलेज पार्क थाना में दो बिल्डरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि निर्माण कार्य और सुरक्षा मानकों में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसके चलते यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। प्रकरण में विभागीय स्तर पर भी कार्रवाई की गई है।

लखनऊ में डायवर्जन...

कैसरबाग बस अड्डे के पास कई बसें फंसी हैं। बलरामपुर अस्पताल और सिटी स्टेशन के पास 5 एम्बुलेंस भी जाम में फंसीं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। क्रिश्चियन कॉलेज के पास भी ट्रैफिक पूरी तरह रेंगता नजर आया। वाहन चालकों को काफी मशक्कत करना पड़ा।

लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, विधान भवन व इसके आसपास 19 से 21 जनवरी तक सुबह 8: 00 बजे से रात्रि 2 बजे तक डायवर्जन लागू रहेगा।

बंदरियाबाग चौराहा से सामान्य यातायात राजभवन, डीएसओ चौराहा, हजरतगंज चौराहा, जीपीओ मोड, विधानसभा की ओर नहीं जा सकेंगे। यह यातायात लालबत्ती चौराहा, कैंट या गोल्फ क्लब चौराहा, 1090 चौराहा होकर जा सकेगा।

डीएसओ चौराहा से हजरतगंज, जीपीओ पार्क, विधानसभा मार्ग की ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेंगे। यह यातायात पार्क रोड, मेफेयर तिराहा होकर जाएगा। अशोकलाट चौराहा से सामान्य यातायात रॉयल होटल चौराहा की तरफ नहीं जा सकेगा। यह यातायात परिवर्तन चौक और वलिंग्टन चौराहा होते हुये जा सकेगा। संकल्प वाटिका पुल के नीचे तिराहा से महानगर की तरफ से आने वाले रोडवेज/सिटी बसें सिकन्दरबाग चौराहा, हजरतगंज चौराहा, विधान सभा की ओर नहीं जा सकेंगी। यह बसें बैकुण्ठ धाम, 1090 (गांधी सेतु) चौराहा, बन्दरियाबाग चौराहा, लालबत्ती चौराहा, कैंट होते हुए जा सकेंगी। केकेसी तिराहा से चारबाग की तरफ से आने वाले रोडवेज/सिटी बसें हुसैनगंज चौराहा, रॉयल होटल चौराहा, विधानसभा की ओर नहीं जा सकेंगी। यह बसें लोको चौराहा, कैंट या वलिंग्टन चौराहा से कैसरबाग होकर जा सकेंगी।

गोमतीनगर की तरफ से आने वाले रोडवेज/सिटी बसें सिकन्दरबाग चौराहा, हजरतगंज चौराहा, विधानसभा की ओर नहीं जा सकेंगी। यह बसें बैकुण्ठ धाम, संकल्प वाटिका ओवरब्रिज, चिरैया झील तिराहा होकर कैसरबाग होते हुये तथा 1090 (गांधी सेतु) चौराहा, बन्दरियाबाग चौराहा, लालबत्ती चौराहा, कैण्ट होते हुए जा सकेंगी।

नितिन नबीन निर्विरोध...

भाजपा ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिके-शन जारी किया था। नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

नितिन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव ने कहा- केंद्रीय नेतृत्व को पहचान है कि कौन व्यक्ति काम करने में सक्षम, हीरे की परख जौहरी को ही होती है। पार्टी ने हीरा चुनकर निकाल लिया। पार्टी के लिए नितिन ने दिन रात मेहनत की। उनकी मेहनत का फल उन्हें मिल गया।

भाजपा में अब तक 11 नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। इनमें लालकृष्ण आडवाणी तीन बार अध्यक्ष बने, जबकि राजनाथ सिंह ने दो बार यह जिम्मेदारी संभाली। नितिन नबीन सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं।

पिछले 6 महीने में तीन राज्यों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। जुलाई में हेमंत खंडेलवाल को एमपी का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था।

उसके बाद दिसंबर में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और सात बार के लोकसभा सांसद पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष चुन गया था। उनके अलावा किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। वहीं जनवरी में झारखंड में आदित्य साहू को प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव राष्ट्रीय परिषद करती है, जिसमें लगभग 5,708 सदस्य शामिल हैं।

हर सेट पर 20...

जबकि एक अलग नॉमिनेशन सेट भाजपा के संसदीय बोर्ड के सदस्यों की ओर से प्रस्तावित किया गया, जिस पर प्रधानमंत्री सहित 37 सांसदों के साइन थे।

भारत आए यूएई...

यह पश्मीना शॉल बहुत ही बारीक ऊन से हाथ से बनाई जाती है और हल्की, मुलायम और गर्म होती है। यह उपहार भारत की हथकरघा और हस्तशिल्प परंपरा को दर्शाता है।

मोदी ने राष्ट्रपति की मां शेखा फातिमा बिंत मुबारक अल केतबी को भी एक पश्मीना शॉल तोहफे में दी। इसके साथ ही उन्हें कश्मीरी घाटी में उगा केसर भी भेंट किया। यह केसर अपनी गहरी लाल रंगत और खुशबू के लिए जाना जाता है।

MEA ने दौरे की जानकारी देते हुए कहा- दोनों देशों के बीच लंबे समय से ऊर्जा आपूर्ति को लेकर मजबूत साझेदारी है। साथ ही, लोकल करेंसी सेटलमेंट सिस्टम और बाइलेटरल इन्वेस्टमेंट ट्रीटी ने आर्थिक रिश्तों को और मजबूती दी है।

यह दौरा भारत-UAE कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और आगे बढ़ाने तथा आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग के नए रास्ते खोलने का अवसर देगा।

भारत और UAE के बीच 1972 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, BRICS, I2U2 और UFI जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भी करीबी सहयोग करते हैं।

घाटों पर सजी दीपों...

भजनों के दौरान श्रद्धालु शांत भाव से प्रस्तुति का आनंद लेते नजर आए।

अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री ने कहा कि श्रवण धाम महोत्सव ने इस क्षेत्र को प्रदेश और देश के मानचित्र पर पहचान दिलाई है। उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए प्रशासन और आयोजन से जुड़े सभी कर्मियों को बधाई दी।

श्रवण धाम महोत्सव–2026 का पहला दिन धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और जनभागीदारी के संतुलित समन्वय के साथ संपन्न हुआ, जिसने महोत्सव की आगे की गतिविधियों के लिए मजबूत आधार तैयार किया।

'जांच पारदर्शी रहे'...

इससे सिर्फ नागरिकता वेरिफाई की जाती है। SIR से किसी का डिपोर्टेशन (देश से बाहर निकालना) नहीं होता, क्योंकि देश से बाहर निकालने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है।

अगर बांग्लादेश ने इनकार किया तो रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका संभव

टी-20 वर्ल्डकप-बांग्लादेश भारत में खेलेगा या नहीं, 21 को फैसला

योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

ICC ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) को 21 जनवरी तक यह स्पष्ट करने को कहा है कि वह 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा या नहीं और क्या उसकी टीम भारत आकर मैच खेलेगी। ईएसपी-एन क्रिक इन्फो के मुताबिक ICC ने शनिवार (17 जनवरी) को ढाका में हुई बैठक में यह समय-सीमा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) को बता दी है।

यह एक हफ्ते में ICC और BCB के बीच दूसरी बैठक थी। इसमें

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। बांग्लादेश को लीग के सारे मुकाबले भारत में कोलकाता और मुंबई में खेलना है।

BCB ने साफ किया कि वह टी-20 वर्ल्ड कप खेलना चाहता है, लेकिन भारत के बाहर। BCB का कहना है कि भारत में खेलने को लेकर टीम की सुरक्षा को लेकर चिंता है। BCB ने सुझाव दिया कि टूर्नामेंट के को-होस्ट श्रीलंका में उनके मैच कराए जाएं।

हालांकि, ICC अपने फैसले पर अड़ा हुआ है। ICC ने साफ कहा है कि टूर्नामेंट का शेड्यूल नहीं बदला जाएगा और बांग्लादेश को ग्रुप C में ही खेलना होगा। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण BCCI ने मुस्तफिजुर रहमान को IPL में खेलने की अनुमति नहीं दी है। उन्हें KKR ने 3 जनवरी को BCCI के कहने पर टीम से बाहर कर दिया था। इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां IPL मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की। टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं। वहीं टीम का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल से होना है।

अगर बांग्लादेश ने इनकार किया तो विकल्प तैयार

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब ICC अंतिम फैसला BCB पर छोड़ रही है। अगर BCB टीम को भारत भेजने से इनकार करता है तो ICC बांग्लादेश की जगह किसी और टीम को शामिल कर सकती है। मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिलने की संभावना सबसे ज्यादा है।

ग्रुप बदलने की मांग भी खारिज

17 जनवरी की बैठक में BCB ने ग्रुप बदलने की मांग रखी थी, जिसे ICC ने इनकार कर दिया था। ICC ने BCB को यह भरोसा भी दिलाया कि बांग्लादेश टीम को कोई खास सुरक्षा खतरा नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ICC से कहा था कि उसे ग्रुप-C की जगह दूसरे ग्रुप-B में शामिल किया जाए। बोर्ड का तर्क था कि ऐसा होने पर बांग्लादेश को अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलने होंगे, इससे यात्रा और सुरक्षा से जुड़ी दिक्कतें कम होंगी। मौजूदा शेड्यूल के अनुसार आयरलैंड को अपने ग्रुप-बी मुकाबले श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ कोलंबो में खेलने हैं, जबकि उनका आखिरी मैच कैंडी में जिम्बाब्वे से होगा। दूसरी ओर, बांग्लादेश को अपने मौजूदा ग्रुप-सी में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में तीन मैच खेलने हैं, जबकि आखिरी ग्रुप मुकाबला मुंबई में नेपाल के खिलाफ तय है।

इंदौर में कोहली का शतक भारत 41 रन से हारा

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीत ली है। टीम ने रविवार को इंदौर में खेले गए तीसरे वनडे मैच में मेजबानों को 41 रन से हराया। इतना ही नहीं, भारतीय टीम होलकर स्टेडियम में पहला मैच हारी है। 338 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 46 ओवर में 296 रन पर ऑलआउट हो गई। विराट कोहली ने 108 बॉल पर 124 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

न्यूजीलैंड की ओर से क्रिस्टियन क्लार्क और जैक फॉल्क्स 3-3 विकेट झटके। डेरिल मिचेल ने 137 और ग्लेन फिलिप्स ने 106 रनों की शतकीय पारियां खेलीं। दोनों ने 219 रन की साझेदारी भी की।

टॉस हारकर बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने 58 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 188 बॉल पर 219 रन की साझेदारी की। रन चेज में भारतीय टीम ने औसत शुरुआत की। टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। ऐसे में कोहली एक छोर से अड़े गए। उन्होंने 108 बॉल पर 10 चौके और 3 छक्कों से सजी 124 रन की शतकीय पारी खेली। कोहली ने नीतीश रेड्डी (53 रन) और हर्षित राणा (52 रन) के साथ दो अर्धशतकीय साझेदारियां की। लेकिन, अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

न्यूजीलैंड ने इंडिया में पहली बार वनडे सीरीज जीती डेरिल मिचेल का शतक

17 मेला स्पेशल रेलगाड़िया चलाई गई 45,000 यात्रियों ने यात्रा की

अतिरिक्त भीड़-भाड़ को कम करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली । मौनी अमावस्या 2026: उत्तर रेलवे ने प्रयाग और अयोध्या स्टेशन से तीर्थयात्रियों के सुगम आवागमन हेतु 17 मेला स्पेशल रेलगाड़िया चलाई 45,000 यात्रियों ने स्पेशल रेलगाड़ियों से यात्रा की। मौनी अमावस्या के अवसर पर, उत्तर रेलवे द्वारा प्रयाग और अयोध्या स्टेशन पर तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़-भाड़ को कम करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए है। उत्तर रेलवे द्वारा तीर्थयात्रियों के सुगम आवागमन हेतु नियमित रेलगाड़ियों के अलावा कुल 17 मेला स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गई हैं।

अयोध्या में भीड़ जारी रहने की उम्मीद है इसलिए यात्रियों के सुगम आवागमन को सुचारु रूप से रखने के लिए काफ़ी इंतज़ाम किए गए हैं। यह भी उम्मीद है कि तीर्थयात्री पारंपरिक तीर्थ यात्रा ट्रायंगल को पूरा करने के लिए वाराणसी की ओर बढ़ सकते हैं। उत्तर रेलवे इन सबके लिए पूरी तरह से तैयार है और आवश्यकतानुसार प्रयाग, अयोध्या और वाराणसी से और स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी ताकि सभी तीर्थयात्रियों की यात्रा सुरक्षित, आसान हो सके। उत्तर रेलवे अपने यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सेनेगल टीम पेनल्टी विवाद पर मैदान छोड़कर गई, 14 मिनट खेल रुका रहा, लौटने के बाद मोरक्को को हराया

अफ्रीका कप फाइनल में हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 का फाइनल मैच फुटबॉल से ज्यादा विवाद और हंगामे के कारण चर्चा में रहा। मोरक्को और सेनेगल के बीच रविवार को मोरक्को के प्रिंस मौले अब्देल्लाह स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला गया। इसमें एक विवादित पेनल्टी के बाद सेनेगल की पूरी टीम गुस्से में मैदान छोड़कर बाहर चली गई।

मैच के अंतिम समय में रेफरी के मोरक्को को पेनल्टी दिए जाने से सेनेगल के खिलाड़ी भड़क गए और खेल रोक दिया गया। करीब 14 मिनट तक मैदान पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और मैच रुका रहा। बाद में कप्तान सादियो माने के समझाने पर सेनेगल की टीम दोबारा मैदान पर लौटी।

सेनेगल की टीम को मैदान पर लौटने के बाद खेल शुरू हुआ। पेनल्टी पर मोरक्को के खिलाड़ी ब्राहिम डियाज गोल नहीं कर सके और सेनेगल के गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। इसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया, जहां सेनेगल के लिए पाप गुए ने 94वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर मुकाबला 1-0 से जीत लिया। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के इतिहास में यह पहली बार नहीं है जब बड़े मुकाबले विवादों में घिरे हों।

2010 अफ्रीका कप में टोगो टीम पर बस अटैक के बाद टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे।

2015 अफ्रीका कप में मेजबान इक्वेटोरियल गिनी पर रेफरी फैसलों को प्रभावित करने के आरोप लगे थे, जिससे घाना के खिलाड़ी और अधिकारी खुले तौर पर नाराज दिखे।

2022 अफ्रीका कप में ट्यूनीशिया और माली के बीच खेले गए मैच में रेफरी ने समय से पहले मैच खत्म कर दिया था, जिस पर भारी विवाद हुआ था। उस मुकाबले के बाद CAF (अफ्रीकन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन) को आधिकारिक सफाई तक देनी पड़ी थी।

सेनेगल दूसरा खिताब जीता

इस जीत के साथ सेनेगल ने अफ्रीका कप का दूसरा खिताब अपने नाम किया। सोशल मीडिया पर भी इस फाइनल को अफ्रीका कप का सबसे विवादित मुकाबला बताया जा रहा है।

मनोरंजन

शाह रुख की बेटी के साथ कर चुका है काम, मैडॉक ऑफिस के बाहर स्पॉट हुए एक्टर्स

राजेश खन्ना की नातिन की इस एक्टर संग जमेगी जोड़ी

नई दिल्ली। एक नई जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है! बॉलीवुड का लेटेस्ट ऑन-स्क्रीन कपल, वेदांग रैना और इंडस्ट्री की नई डेब्यू करने वाली नायोमिका सरन, हाल ही में मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस में देखे गए और इंटरनेट पर पहले से ही हैशटैग VedangNaomika की चर्चा हो रही है। हाथों में स्क्रिप्ट और एक नए प्रोजेक्ट की साफ नजर आने वाली एनर्जी के साथ दोनों को स्पॉट किया गया है। जब वेदांग और नाओमिका मुंबई में प्रोड्यूसर दिनेश विजान के ऑफिस से हाथ में स्क्रिप्ट लिए बाहर निकलते दिखे, तो पैपराजी बेकाबू हो गए। खबरों के मुताबिक, दोनों ने मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस में स्क्रिप्ट रीडिंग सेशन में समय बिताया। नाओमिका तो अपनी कार में बैठकर जल्दी निकल गईं, लेकिन वेदांग वहीं रुके रहे, जिससे इन अफवाहों को और हवा मिली कि यह प्रोजेक्ट प्री-प्रोडक्शन के आखिरी स्टेज में है। मैडॉक फिल्म्स 2026 में एक रोमांटिक-कॉमेडी धमाके की योजना बना रही है। यह कोलैबोरेशन मैडॉक फिल्म्स बैनर के तहत आने वाली एक रोमांटिक कॉमेडी के लिए है, जो स्त्री और लुका छुपी जैसी हिट फिल्मों के लिए जानी जाती है। अभी तक बिना टाइटल वाली इस फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक यह फिल्म एक हल्की-फुल्की नए जमाने की रोमांस फिल्म होगी जो दोनों एक्टर्स के Gen-Z वाइब के साथ पूरी तरह फिट बैठती है। जहां तक एक्ट्रेस की बात है, यह फिल्म नाओमिका सरन की डेब्यू फिल्म होगी। यह स्टारलेट सिर्फ एक नया चेहरा नहीं है, वह बॉलीवुड रॉयल्टी की विरासत को आगे बढ़ा रही है।

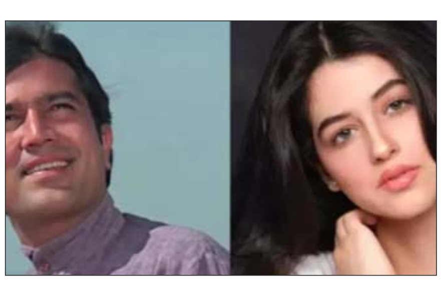

मनोज तिवारी के घर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पुराने नौकर ने डुप्लीकेट चाबियां इस्तेमाल कर चुराए 5.40 लाख रुपए

नई दिल्ली। भोजपुरी स्टार और सांसद मनोज तिवारी के घर में चोरी करने वाले शख्स की गिरफ्तारी हो चुकी है। पिछले 2 सालों में मनोज तिवारी के घर में चोरी की गई वारदातें हुईं। जिसमें अलग-अलग समय में कुल 5.40 लाख चोरी किए गए थे। अब गुरुवार यानी 15 जनवरी को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मनोज तिवारी का मुंबई के अंधेरी वेस्ट में स्थित शास्त्री नगर के सुंदरबन अपार्टमेंट में फ्लैट है, जहां 5.40 लाख की चोरी हुई है। एक्टर के मैनेजर प्रमोद जोगेंद्र पांडे ने अंबोली पुलिस स्टेशन में 15 जनवरी को चोरी की शिकायत दर्ज करवाई है, जिसके साथ ही आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। पुलिस शिकायत के अनुसार, जून 2025 में मनोज तिवारी के घर से 4.40 हजार रुपए की चोरी हुई थी। तब आरोपी का पता नहीं चल सका था। इसके बाद दिसंबर 2025 में उन्होंने घर पर एक सीक्रेटली सीसीटीवी कैमरा लगवाया। 15 जनवरी को सीसीटीवी कैमरे में देर रात मोशन डिटेक्ट हुआ। उस रात उनके घर से 1 लाख रुपए चुराए गए।

कैमरे की रिकॉर्डिंग से सामने आया कि घर में सुरेंद्र कुमार नाम के शख्स ने चोरी की है, जो मनोज तिवारी का पुराना नौकर था। सुरेंद्र कुमार मनोज के घर में दो साल पहले काम करता था।

सुनीता के बयानों के बीच बोले- घुट जाऊं ऐसी स्थिति न बनाएं, मुंह खोलने से पहले अपने कर्म देखिए

मेरे खिलाफ साजिश हो रही है : गोविंदा

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते कुछ समय से गोविंदा की पत्नी सुनीता उनके खिलाफ बयान दे रही हैं। हाल ही में सुनीता ने गोविंदा के अफेयर पर कहा कि 63 की उम्र में ये सब शोभा नहीं देता। अब गोविंदा ने पहली बार इस पर रिएक्शन देते हुए कहा है कि उनके खिलाफ एक साजिश हो रही है, जिसमें उनके परिवार को इस्तेमाल किया जा रहा है।

गोविंदा ने एएनआई से बातचीत में सुनीता के बयानों पर कहा है, मेरे एक मित्र ने कहा था गोविंद (गोविंदा) तुम्हारे साथ थोड़ी सी साजिश चल रही है, आज नहीं सालों से चल रही है। उससे तुम कैसे बाहर निकलोगे, मैंने कहा देखिए एक साल, दो साल, 4-5 साल, 9-10 साल योग होते हैं, पूजा प्रार्थना किया करते हैं, यज्ञ करवाते हैं। पर जब 24-15 साल से वार्तालाप आगे निकलता है तो वो योग नहीं प्रयोग होता है।

आगे गोविंदा ने कहा, 'किसी की सोची समझी साजिश में घर परिवार आ जाता है, डर जाते हैं लोग, वो सभी गोविंदा नहीं हैं। फिर थोड़ा सा अलगाव नजर आ जाता है। पर मुझे ऐसा लगता है कि ऐसे तो वो (सुनीता) बहुत जहीन हैं, पढ़ी-लिखी हैं वो, भाषा में गलत नहीं होता कुछ।' आगे गोविंदा ने कहा, 'शुरुआत में एक आदमी ने मुझ पर आरोप लगाने चाहे, बाद में वो एक्सपोज हो गया।

मुंह नहीं खोलता तो लोग कमजोर समझते हैं- गोविंदा

गोविंदा ने आगे कहा- 'पिछले कुछ दिनों से मैं देख रहा हूं, कभी-कभी हम मुंह नहीं खोलते, तो कमजोर नजर आते हैं या ऐसा लगता है कि ये दुष्ट होंगे। आज मैं उत्तर दे रहा हूं। मुझे ये कहा गया था कि इसमें आपके घर परिवार के लोग यूज हो सकते हैं। उन्हें ये पता नहीं चलेगा कि वो एक बड़ी साजिश के तहत यूज हो रहे हैं। जिसमें आदमी को पहले परिवार से तोड़ा जाता है, काम से तोड़ा जाता है। काम से तोड़ा ही गया है, मेरी फिल्मों को मार्केट नहीं मिली। ऐसा मत सोचिएगा कि मैं रो रहा हूं। मैं भी बहुत सारी फिल्में छोड़ चुका हूं, इसलिए मैं रोना नहीं रोता हूं।' 'वो कहा करती हैं कि जो आपको चाहिए वो मिलता नहीं है, जो आपको मिलता है वो आपको चाहिए नहीं। घर कैसे चलेगा। तो लेडीज की सोच अलग होती है। परंतु वो कभी ये नहीं सोच सकती कि एक बहुत बड़ी साजिश के तहत आपको ओपनिंग बैट्समैन के रूप में मैदान में उतार दिया गया है। फिर उसके बाद समाज में बदनाम कर देना। ऐसी चीजें थोप देना।'

शाहरुख की गाड़ी का लड़की ने पीछा किया

हाय बोलने के लिए एक्टर के रॉल्स रॉयस का ऑटो से पीछा करते दिखी

नई दिल्ली। शाहरुख खान के प्रति फैंस की दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। किंग खान की एक झलक पाने के लिए उनके चाहने वाले हर हद पार करने को तैयार रहते हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दो फैंस मुंबई की सड़कों पर शाहरुख खान की कार का पीछा करते नजर आ रहे हैं।

सामने आए वीडियो में अभिनव सक्सेना नाम का का फैन अपनी फीमेल फ्रेंड नताश जगेतिया के साथ मुंबई की सड़कों पर शाहरुख खान की कार का पीछा करते हुए दिखाई दे रहा है। इस वीडियो को खुद अभिनव ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, "मैं तेरा हाय रे जबरा ओये रे जबरा फैन हो गया," और अपनी दोस्त नताशा को टैग किया।

वीडियो में नताशा ऑटो ड्राइवर से कहती सुनाई देती हैं, "थोड़ा आगे लो, मैं शाहरुख को हाय करूंगी। आप इन्हीं के बगल में रखना, मैं किसी के लिए ये नहीं करती।"

एक्टर की सिक्योरिटी देख ऑटो रिक्शा वाला थोड़ा झिझकता है, जिसके बाद इसके बाद वह मजाकिया अंदाज में कहती हैं, "मेरे पापा कलेक्टर हैं।" वहीं अभिनव खुद को दिल्ली का रहने वाला बताते हैं। दोनों फैंस शाहरुख खान की सिक्योरिटी टीम को रिकॉर्ड करते हुए उनकी रॉल्स-रॉयस कार के बिल्कुल पास तक पहुंच जाते हैं और सुपरस्टार को 'हाय' कहते हैं। हालांकि, कार के शीशों पर लगे ब्लैक कवर की वजह से उन्हें शाहरुख की एक झलक भी नसीब नहीं होती।

ग्रीनलैंड क्यों बना दुनिया का नया हॉटस्पॉट, लाखों टन खनिज पर ट्रम्प-पुतिन-जिनपिंग की नजर

आर्कटिक की बर्फ पिघलने से हमले का खतरा बढ़ा

दुनिया के गर्म होने से आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है। जो इलाका पहले बर्फ की वजह से छिपा रहता था, वह अब धीरे-धीरे खुलने लगा है। ऐसा लग रहा है जैसे दुनिया के नक्शे पर एक नया इलाका अचानक उभर आया हो। इसी नए मौके पर कब्जा जमाने के लिए देशों के बीच होड़ मची हुई है।

मुश्किल

नुउक, एजेंसी

अमेरिका और रूस के बीच मौजूद ग्रीनलैंड अब धीरे-धीरे बहुत अहम इलाका बनता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है दुनिया का गर्म होना और आर्कटिक में बर्फ का पिघलना। जब बर्फ कम हो रही है, तो वहां नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं और जमीन के नीचे छिपे संसाधन भी सामने आ रहे हैं।

इसी वजह से ग्रीनलैंड अब सेना, कारोबार और प्राकृतिक संसाधनों के लिहाज से पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीनलैंड दुर्लभ खनिजों के मामले में दुनिया में आठवें स्थान पर है और यहां लगभग 15 लाख टन खनिज भंडार होने का अनुमान है। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में भी ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जताई थी। तब इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। इसे सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी या दिखावा मानकर नजरअंदाज कर दिया था।

ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक। यहां पर बर्फ की चादर तेजी से पिघल रही है। इस पिघलते हुए पानी की वजह से समुद्र में बहने वाली धाराओं की रफ्तार धीमी हो रही है।

आर्कटिक में पकड़ मजबूत करना चाहता है रूस

पिछले पांच सालों में आर्कटिक क्षेत्र में समुद्री बर्फ का औसत क्षेत्रफल 46 लाख वर्ग किलोमीटर रह गया है। यह 1981 से 2010 के औसत के मुकाबले 27% कम है। जितनी बर्फ पिघल चुकी है, उसका क्षेत्रफल लगभग अफ्रीकी देश लीबिया जितना है।

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ग्रीनलैंड की अहमियत बढ़ी

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आर्कटिक में अब नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं, जिनका इस्तेमाल व्यापारिक जहाज कर सकते हैं। ये रास्ते एशिया, यूरोप और अमेरिका के बीच सफर को छोटा और सस्ता बना सकते हैं, इसलिए बड़ी ताकतों की नजर अब इन पर है। सिर्फ समुद्री रास्ते ही नहीं, बर्फ के नीचे दबे कीमती प्राकृतिक संसाधन भी अब दिखने लगे हैं। माना जाता है कि ग्रीनलैंड और आर्कटिक क्षेत्र में तेल, गैस, दुर्लभ खनिज और दूसरी अहम धातुओं का बड़ा भंडार मौजूद है। जैसे-जैसे बर्फ पिघल रही है, इन संसाधनों को निकालना आसान होता जा रहा है। यही वजह है कि अमेरिका, रूस और दूसरी बड़ी ताकतें इस इलाके में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। इन सभी कारणों से ग्रीनलैंड अब सिर्फ बर्फ से ढंका एक दूरदराज इलाका नहीं रह गया है। यह धीरे-धीरे वैश्विक राजनीति का अहम केंद्र बनता जा रहा है, जहां भविष्य में देशों के बीच टकराव और प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है।

यहां मिला दुनिया का सबसे बड़ा हीरा 'पर्पल स्टार', 3563 कैरेट वजन

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में एक अद्भुत रत्न का प्रदर्शन किया गया है। बैंगनी रंग की ये धातु हीरे से भी ज्यादा चमकदार और आकर्षक है, जिसका वजन 3,563 कैरेट बताया जा रहा है। ये दुनिया का सबसे बड़ा नीलम हीरा है, जिसे बैंगनी तारा (Purple Star) का नाम दिया गया है।

इस बेशकीमती हीरे के मालिकों ने इसे बेचने का फैसला किया है। जल्द ही इसकी नीलामी हो सकती है। पर्पल स्टार की कीमत 300 मिलियन डॉलर (2728 करोड़ रुपये) तय की गई है।

दुनिया के सबसे बड़े पर्पल स्टार नीलम को 'स्टार ऑफ प्योर लैंड' भी कहा जा रहा है। रत्नों के जानकार अशान अमरसिंघे के अनुसार, ये इतिहास में दर्ज अब तक का सबसे बड़ा नीलम का पत्थर है।

अमरसिंघे ने मीडिया से बातचीत में कहा- ये अपनी तरह का सबसे बड़ा पर्पल स्टार नीलम हीरा है। ये किसी तारामंडल की तरह दिखता है। इससे सात रंग की अलग-अलग किरणें निकलती हैं। यही चीज इसे बाकी बेशकीमती रत्नों से बिल्कुल अलग बनाती है।

'स्टार ऑफ प्योर लैंड' के मालिक अपनी पहचान उजागर नहीं करना चाहते हैं। उनका मानना है कि इससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। हालांकि, एक मालिक के अनुसार, ये रत्न उन्हें 2023 में मिला था। उन्होंने बताया कि श्रीलंका के रतनपुरा को 'रत्नों का शहर' कहा जाता है। 2023 में खुदाई के दौरान वहां ये पत्थर मिला था। उन्होंने इसे बाकी रत्नों के साथ खरीदा था। 2 साल तक ये स्टोन ऐसे ही पड़ा रहा। पिछले साल इसके मालिकों ने लैबोरेटरी में सर्टिफिकेशन के लिए भेजा था।

फास्ट न्यूज

इराक में फ्रांस के दूतावास का काला इतिहास

नई दिल्ली। इराक की राजधानी बगदाद में एक शानदार हवेली अब फ्रांस के दूतावास के तौर पर इस्तेमाल हो रही है। इस हवेली में कभी एक यहूदी परिवार रहता था। लेकिन दशकों से किराया न चुकाने के आरोप में यह परिवार फ्रांस पर 22 मिलियन डॉलर का मुकदमा कर रहा है। परिवार का कहना है कि फ्रांस ने इराकी सरकार की यहूदी-विरोधी नीतियों से फायदा उठाया और अपना कॉन्ट्रैक्ट तोड़ दिया।

सिरफिरे ने घरेलू विवाद में पूरे परिवार को गोलियों से भूना

नई दिल्ली। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। जहां घरेलू विवाद इतना बढ़ गया कि युवक ने अपने ही परिवार के लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगा। इस गोलीबार में परिवार के सात लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि सोमवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते अपने घर के अंदर गोलीबारी की, जिसमें उसकी पत्नी और दो महीने की बेटी सहित सात लोगों की मौत हो गई।

स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनों की भिड़ंत

नई दिल्ली। रविवार को दक्षिणी स्पेन में एक तेज रफ़्तार ट्रेन के पटरी से उतर जाने से कम से कम 39 लोग मारे गए और 73 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन उल्टी दिशा में ट्रैक पर चली गई और सामने से आ रही दूसरी ट्रेन से टकरा गई। स्पेन की रेल संस्था ADIF ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करके बताया कि मलागा और मैड्रिड के बीच शाम की ट्रेन पटरी से उतर गई और मैड्रिड से हुएलवा (जो स्पेन का एक और दक्षिणी शहर है) जा रही दूसरी ट्रेन से टकरा गई।

सेंसेक्स 324 अंक गिरकर 83,246 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में आज 19 दिसंबर को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 324 अंक गिरकर 83,246 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 108 अंक की गिरावट रही। ये 25,585 पर बंद हुआ। निफ्टी के ऑटो और FMCG सेक्टर छोड़ कर सभी सेक्टर्स में बिकवाली देखने को मिली। मीडिया सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.84% की गिरावट रही।

बाजार में दिन भर भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सुबह की गिरावट के बाद दोपहर के कारोबार में बाजार निचले स्तरों से रिकवर होता नजर आया।

और निफ्टी 100 अंक से ज्यादा रिकवर हुआ। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 82,898 और निफ्टी ने 25,494 का निचला स्तर छुआ था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में ग्रीनलैंड को लेकर यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि जो देश उनकी योजनाओं का विरोध करेंगे, उन पर भारी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाया जाएगा। इस बयान के बाद अमेरिका से लेकर एशिया तक के बाजारों में डर का माहौल है। जानकारों का कहना है कि अगर ट्रेड वॉर जैसी स्थिति बनती है, तो आने वाले दिनों में बाजार में और ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) के तीसरी तिमाही (Q3) के नतीजे आने के बाद आज इसके शेयरों में गिरावट देखी जा रही है।

निफ्टी भी 108 अंक गिरा, मीडिया और रियल्टी सेक्टर में बिकवाली

फ्रांस ने 15, जर्मनी ने 13 और ब्रिटेन ने 1 भेजा, इटली बोला- यह मजाक

अमेरिकी धमकी के बाद सात देशों के सैनिक ग्रीनलैंड पहुंचे

नुउक, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकियों के बाद यूरोपीय देश एकजुट हो गए हैं। कई NATO सदस्य देशों ने ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस नाम से एक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इसके लिए यूरोपीय देशों में फ्रांस ने 15 सैनिक ग्रीनलैंड भेजे हैं, जो 27वीं माउंटेन इन्फैंट्री ब्रिगेड से हैं। जर्मनी ने 13 सैनिकों की एक टीम भेजी है। नॉर्वे, नीदरलैंड और फिनलैंड ने दो-दो सैनिक तैनात किए हैं। ब्रिटेन ने एक सैन्य अधिकारी भेजा है। स्वीडन ने भी सैनिक भेजने की पुष्टि की है, हालांकि संख्या सार्वजनिक नहीं की गई है। कुल मिलाकर, डेनमार्क के मौजूदा सैनिकों के अलावा यूरोपीय देशों से लगभग 35-40 सैन्य कर्मी पहुंचे हैं। वहीं, इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेत्तो ने इस पूरे ऑपरेशन को मजाक जैसा बताया है। आगे चलकर इससे भी बड़ा मिशन लाने की योजना है, जिसे ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री कहा जा रहा है। यह एक नाटो मिशन होगा। इसका उद्देश्य ग्रीनलैंड और उसके आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ाना और किसी भी खतरे का सैन्य जवाब देने की ताकत मजबूत करना है।

पोलैंड, इटली ने मिशन से दूरी बनाई

NATO के कुछ बड़े सैन्य ताकत वाले देश इस मिशन से दूर रहे। पोलैंड, इटली और तुर्किए ने ग्रीनलैंड में सैनिक भेजने से इनकार कर दिया। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने साफ कहा कि उनका देश सैनिक नहीं भेजेगा। दरअसल, पोलैंड की सबसे बड़ी चिंता रूस के साथ लगी उसकी पूर्वी सीमा है।

ग्रीनलैंड में बड़े पैमाने पर सैनिकों के तैनाती की संभावना

डेनमार्क पहले से ग्रीनलैंड में करीब 200 सैनिक तैनात किए हुए है। इसके अलावा 14 सदस्यीय सीरियस डॉग स्लेज पेट्रोल भी वहां मौजूद है, जो आर्कटिक इलाकों में गश्त करते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि आने वाले दिनों में इन्हें जमीन, हवा और समुद्र के जरिए और मजबूत किया जाएगा। यह संख्या छोटी है, लेकिन यह राजनीतिक संदेश देने के लिए है कि NATO एकजुट है।

डेनमार्क की अगुवाई में चल रहा ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस एक सैन्य अभ्यास है। इसका मकसद यह देखना है कि अगर भविष्य में ग्रीनलैंड में बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करने पड़े, तो उसकी तैयारी कैसी होगी। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस अभ्यास का फोकस आर्कटिक इलाके में सहयोगी देशों के बीच तालमेल और काम करने की क्षमता बढ़ाने पर है।

ट्रम्प ने पाकिस्तान और रूस को भी बुलाया, नाराज इजराइल बोला- बिना बातचीत टीम बनाई

मोदी को गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने का न्योता

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा के 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) में शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को न्योता दिया है। भारत में US के एम्बेसडर सर्जियो गोर ने ट्वीट कर जानकारी दी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तान के PM शहबाज शरीफ को भी इस बोर्ड में शामिल होने का बुलावा दिया गया है। ।

दरअसल गाजा पीस प्लान दूसरे चरण में पहुंच चुका है। ट्रम्प ने गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण के लिए नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा (NCAG) के गठन का ऐलान किया है।

इस कमेटी की देखरेख करने, फंड जुटाने जैसे कामों के लिए ट्रम्प ने 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) का गठन किया गया है। ट्रम्प खुद इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं। इसके अलावा गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड भी बनाया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने शनिवार को कहा कि गाजा के लिए बनाए गए नए प्रशासनिक बोर्ड की घोषणा अमेरिका ने इजराइल से बिना बातचीत करे की है। इजराइल का कहना है कि यह फैसला उसकी सरकारी नीति के खिलाफ है। नेतन्याहू के ऑफिस के मुताबिक, विदेश मंत्री गिदोन सार इस मुद्दे को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने उठाएंगे। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि बोर्ड का कौन सा हिस्सा इजराइल को आपत्तिजनक लग रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य समस्या तुर्किए विदेश मंत्री हाकान फिदान को शामिल करने से है। तुर्किए को हमास का समर्थक माना जाता है और इजराइल के साथ इसका संबंध तनावपूर्ण हैं।

इजराइली राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने नेतन्याहू के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि गाजा को 'कार्यकारी बोर्ड' की जरूरत नहीं, बल्कि हमास को पूरी तरह खत्म करने और बड़े पैमाने पर खुद से पलायन की जरूरत है।

पाकिस्तान को भी पीस बोर्ड में शामिल होने का न्योता

पाकिस्तान ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को राष्ट्रपति ट्रम्प ने गाजा के लिए बनाए गए 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्योता दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मीडिया से बातचीत में पुष्टि की कि पाकिस्तान को औपचारिक रूप से यह निमंत्रण मिला है। ताहिर अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान गाजा में शांति और सुरक्षा से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में हिस्सा लेता रहेगा और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के मुताबिक फिलिस्तीन मुद्दे का स्थायी समाधान चाहता है। हालांकि, उन्होंने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

भारत कोकिंग कोल के शेयर पर 96% का मुनाफा

मुंबई, एजेंसी

भारत कोकिंग कोल (BCCL) की शेयर बाजार में आज यानी 19 जनवरी को 96% प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर 45 पर लिस्ट हुआ, जो कि इसके 23 के इश्यू प्राइस से 95.65% ज्यादा है। वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर यह 95.65% ऊपर 45.21 पर लिस्ट हुआ। हालांकि इसके बाद इसका शेयर थोड़ा नीचे आया और NSE पर ये 76.78% की बढ़त के साथ 40.66 रुपए पर बंद हुआ। वहीं BSE पर 75.13% बढ़कर 40.28 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी ने इस पब्लिक इश्यू के जरिए 1,071.11 करोड़ जुटाए हैं।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि 96% का प्रीमियम उम्मीद से कहीं बेहतर है। जिन निवेशकों ने केवल लिस्टिंग गेन के लिए पैसा लगाया था, वे अपना मुनाफा वसूल यानी प्रॉफिट बुकिंग कर सकते हैं।

23 का शेयर 45 पर लिस्ट, आईपीओ 143 गुना सब्सक्रिप्शन हुआ था

हालांकि, जो लंबी अवधि के निवेशक हैं, वे स्टील सेक्टर में कोल की बढ़ती डिमांड को देखते हुए इसमें बने रह सकते हैं। लिस्टिंग के समय कोल इंडिया के शेयरों में मामूली गिरावट देखी गई।

BCCL के IPO को तीन दिन में टोटल 143.85 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। वहीं रिटेल कैटेगरी में इसे 49.37 गुना सब्सक्राइब किया गया था। यह IPO 9 जनवरी से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल था।

कोहराम : 50 हजार बेघर; लोग बोले- 20 मिनट और रुकते तो जिंदा जल जाते

चिली के जंगल में आग से 19 लोगों की मौत

सैंटियागो, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश चिली के जंगल में लगी आग की चपेट में आकर अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि की। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चला है। आग की वजह से अब तक 50 हजार से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा है। कई कस्बों में घर, गाड़ियां और पूरी बस्तियां जलकर खाक हो गईं। पेंको शहर के 25 वर्षीय छात्र माटियास सिड ने न्यूज एजेंसी AFP को बताया, आग पूरी तरह बेकाबू हो गई है। आग का बवंडर घरों को निगल गया। हम सिर्फ पहनने के कपड़ों में जान बचाकर निकले। अगर 20 मिनट और रुकते तो जिंदा जल जाते। आग न्युब्ले और बायोबियो इलाकों में फैली है, जो राजधानी सैंटियागो से करीब 500 किलोमीटर दक्षिण में हैं। तेज हवाओं के चलते लगातार दो दिनों से आग फैल रही है। राष्ट्रीय आपदा रोकथाम की निदेशक एलिसिया सेब्रियन ने बताया कि सबसे ज्यादा निकासी पेंको और लिरक्वेन से कराई गई है। दोनों कस्बों की कुल आबादी करीब 60 हजार है। बायोबियो के वन संरक्षण एजेंसी प्रमुख एस्टेबान क्राउस ने कहा कि रविवार को मौसम दमकलकर्मियों के लिए बेहद खराब रहा। तेज हवाएं और ज्यादा तापमान आग को और भड़का रहे हैं। चिली हाल के वर्षों में बार-बार भीषण जंगल की आग झेल चुका है। इसे जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है, जहां चरम मौसम, सूखा और बाढ़ की घटनाएं बढ़ी हैं।

सरकार ने आपातकाल और कर्फ्यू घोषित किया

राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने न्युब्ले और बायोबियो में आपातकाल घोषित कर दिया है। करीब 4 हजार दमकलकर्मी आग बुझाने में लगे हैं। आपातकाल के तहत सेना की मदद भी ली जा रही है। राष्ट्रपति खुद प्रभावित शहर कॉन्सेप्सियोन पहुंचे और हालात की समीक्षा की। उन्होंने सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में रात का कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया। बोरिक रविवार शाम सैंटियागो लौट आए। उन्होंने कहा कि वे सोमवार को राष्ट्रपति-निर्वाचित जोस एंतोनियो कास्ट से मिलकर जंगल की आग पर जानकारी साझा करेंगे।

पोर्ट सिटी लिरक्वेन में हालात बेहद खराब

चिली के पोर्ट सिटी लिरक्वेन में भी हालात गंभीर हैं। करीब 20 हजार की आबादी वाले इस शहर में लोगों ने बताया कि आग कुछ ही सेकंड में फैल गई।57 वर्षीय अलेजांद्रो अरेडोंडो ने AFP से कहा,कई लोग इसलिए बच पाए क्योंकि वे भागकर समुद्र तट पर पहुंच गए। यहां कुछ भी खड़ा नहीं बचा। रविवार रात तक लिरक्वेन में सेना सड़कों पर गश्त कर रही थी। कर्फ्यू के बावजूद कुछ लोग टॉर्च की रोशनी में मलबा हटाने और आग बुझाने में जुटे रहे।

खामेनेई पर हमले को जंग मानेंगे : मसूद पजशकियान

तेहरान, एजेंसी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई पर हमला हुआ, तो इसे ईरान के खिलाफ जंग माना जाएगा। पजशकियान ने X पर पोस्ट कर कहा कि किसी भी हमले का कठोर और पछतावे वाला जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ईरान के लोगों की जिंदगी में मुश्किलें हैं, तो इसकी एक बड़ी वजह अमेरिका और उसके सहयोगियों के लगाए हुए प्रतिबंध हैं।

पजशकियान की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों के बाद आई है। ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों की हत्याएं या फांसी जारी रहीं, तो अमेरिका दखल दे सकता है।

ईरान में 28 दिसंबर से जारी हिंसक प्रदर्शन में अब तक 5,000 लोगों की मौत हो गई है। इनमें करीब 500 सुरक्षाकर्मी शामिल है।

ट्रम्प ने कहा था- प्रदर्शनकारियों की हत्याएं जारी रहीं तो हम दखल दे सकते हैं

एक ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स को यह जानकारी दी है। ट्रम्प ने 15 जनवरी को बताया था कि हत्याएं अब कम हो रही हैं। व्हाइट हाउस ने भी दावा किया कि ट्रम्प के दबाव के बाद ईरान ने 800 लोगों की फांसी की योजना रोक दी है। संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव मार्था पोबी ने परिषद को बताया कि ये प्रदर्शन तेजी से फैले। इसमें काफी जान-माल का नुकसान हुआ है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96